आज का विचार

खुशियां उन इंसानों को ढूंढ ही लेती है जो इंसान हर हाल में खुश रहना चाहते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | मंगलवार, 12 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 113, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए पारित कानून से समस्त संगत में खुशी की लहर: मान

सीएम ने गुरुद्वारा जोतीसर साहिब में माथा टेका, बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने का बल बख्शने के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा किया

सिटी दर्पण संवाददाता

संगरूर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज गांव खुराना स्थित गुरुद्वारा जोतीसर साहिब में संगत के साथ अरदास में शामिल होकर जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026 को लागू करने का बल बख्शने के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह सख्त कानून बनने से पंथ काफी राहत और संतुष्टि महसूस कर रहा है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने की हिम्मत न करे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देशवासी सब देख रहे हैं कि कैसे भारत के फैसले व्हाइट हाउस से लिए जा रहे हैं और कैसे केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए किया जा रहा है। यह कहते हुए कि पंजाबी कभी भी दबाव की चालों के आगे नहीं झुके हैं और न ही कभी झुकेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के लोग लोकतंत्र की आवाज को दबाने की हर कोशिश का उचित जवाब देंगे।

अपने एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुझे आज ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री जोतीसर साहिब (छठवीं पातशाही) में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के अवसर पर शामिल होकर माथा टेकने का सौभाग्य मिला। मीरी-पीरी के मालिक श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के इस पवित्र स्थान पर नतमस्तक होकर मैंने बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाकर सेवा करने का बल बख्शने के लिए गुरु साहिब का धन्यवाद किया। इस अवसर पर मैंने पंजाब की चढ़ती कला, सर्वत्त के भले और सूबे को एक बार फिर से 'रंगला पंजाब' बनाने की क्षमता और समझ बख्शने का आशीर्वाद मांगा और अरदास की कि गुरु साहिब सब पर अपनी कृपा बनाए रखें।

संगत में मौजूदगी दर्ज कराने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब भर की समस्त सिख संगत ऐतिहासिक कानून, जो श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगाएगा, के पारित होने पर खुशी और संतुष्टि व्यक्त कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि ईश्वर का शुक्रिया अदा करने के लिए आज ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया और वे संगत के साथ अरदास में शामिल होने के लिए यहां आए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून लागू होने के बाद पंजाब के लोग सूबे के कोने-कोने में धन्यवाद समारोह करवा रहे हैं क्योंकि यह कानून लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रोजाना कई निमंत्रण मिल रहे हैं। उन्होंने कहा सर्वशक्तिमान ईश्वर ने मुझे जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है, लागू करने का अवसर देकर मानवता की सेवा की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पारित यह कानून यह सुनिश्चित करेगा कि अब भविष्य में कोई भी बेअदबी जैसा अक्षम्य अपराध करने की हिम्मत न करे।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मयार्दा और सम्मान को बनाए रखने के प्रति 'आप' सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी की घटनाओं में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि उनकी सरकार सिख मयार्दा और लोगों की भावनाओं के प्रति पूरी तरह से सुहृद है और यह कानून भविष्य में ऐसी घटनाओं के खिलाफ मजबूत निवारक के रूप में काम करेगा।

प्रधानमंत्री द्वारा लोगों से की गई हालिया अपीलों के संबंध में एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जुमलों के बादशाह को देश के सामने सच बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि देश की लगाम आज व्हाइट हाउस के हाथ में है, जिसके कारण सभी बड़े फैसले उनकी सहमति के बाद ही लिए जा रहे हैं।

पंजाब में ईडी के छापों के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों की बांह मरोड़ने के लिए केंद्रीय एजेंसी का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी, विपक्षी दलों के नेताओं को धमकाने और लोकतंत्र की आवाज को दबाने का एक साधन बनकर रह गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा पंजाबी कभी भी ऐसे दबाव डालने वाली चालों के आगे नहीं झुके थे और नहीं झुकेंगे। पंजाब के बहादुर और समझदार लोग इन कोशिशों का उचित जवाब देंगे।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : नरेंद्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)

गिर सोमनाथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था।

गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा, 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा, दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को ह्यऑपरेशन शक्तिह्न नाम दिया था, क्योंकि शिव और शक्ति की आराधना भारत की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यही विचार देश की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रेरणास्त्रोत बना।

मोदी ने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का पर्व है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 1951 में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के जरिए दुनिया को संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे कई आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन यह मंदिर हर बार फिर खड़ा हो गया। मोदी ने कहा कि आक्रांता भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उन्हें मंदिर और क्षेत्र की सेवा का अवसर मिला और अब देशभर के तीर्थ स्थलों के विकास का जो अवसर मिल रहा है, वह भगवान सोमनाथ की कृपा है।

उन्होंने लोगों से प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवनशैली अपनाने का आान करते हुए कहा कि तीर्थों और मंदिरों के विकास के साथ उनकी गरिमा बनाए रखना भी आवश्यक है।

पोखरण परीक्षण भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए वर्ष 1998 के सफल पोखरण परमाणु परीक्षणों को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम अपने वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और समर्पण को गर्व के साथ याद करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1998 में पोखरण में सफल परीक्षण हुए थे। वह ऐतिहासिक क्षण भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एक प्रमुख स्तंभ बन चुकी है। यह नवाचार को गति देने, अवसरों का विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। मोदी ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास प्रतिभाओं को सशक्त बनाने, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और ऐसे समाधान विकसित करने पर केंद्रित है, जो राष्ट्र की प्रगति और हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करें। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, जिसमें ह्यअग्निह्न को स्वर्ग की सर्वोच्च शक्ति और पृथ्वी पर समस्त ऊर्जा का मूल स्रोत बताया गया है। उन्होंने कहा कि यही अग्नि तत्व पदार्थ के सूक्ष्मतम कणों में छिपी अपार शक्ति को जागृत करता है और समस्त सृष्टि में ऊर्जा एवं गति का संचार करता है।

भारत के तीर्थस्थल पुनर्प्रतिष्ठा को प्राप्त कर गए पर आक्रांताओं के खानदान का अता-पता नहीं : योगी

एजेंसी (हि.स.)

बागपत

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को उप्र के बागपत जिले में श्रीशिव गोरखनाथ आश्रम में नवनाथों की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व आठमान भंडारा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सनातन की ताकत का अहसास कराने बागपत आया हूं। इतिहास गवाह है कि सनातन धर्म ने कभी किसी पर जबरन आधिपत्य स्थापित नहीं किया। किसी को गुलाम नहीं बनाया। जब हम किसी पर जबरन शासन या भूमि पर कब्जा नहीं करते तो हमारा देश इसे कैसे स्वीकार कर सकता था।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत लगातार विदेशी आक्रांताओं से जूझता रहा, सम-विषम परिस्थितियों में लड़ता रहा। जिन आक्रांताओं ने भारत के सनातन की आस्था के प्रतीक मठ-मंदिरों, तीर्थस्थलों को विखंडित करने का प्रयास किया, वे तीर्थस्थल पुनर्प्रतिष्ठा को प्राप्त कर गए, लेकिन आक्रांताओं का नामो-निशान नहीं बचा। वे सब मिट्टी में मिल गए। उनके खानदान तक का भी अता-पता नहीं है। योगी ने कहा कि धर्मो रक्षति रक्षितः, यानी आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। स्वार्थ के लिए धर्म का दुरुपयोग करेंगे तो उससे नष्ट हुआ धर्म हमें भी नष्ट कर डालेगा। हमें जाने-अनजाने देश व धर्म को नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए। व्यक्तिगत क्षति की भरपाई हो सकती है, लेकिन धर्म की क्षति की भरपाई नहीं हो सकती। उसका खामियाजा वर्तमान और भावी पीढ़ी भी भुगतेगी। उन्होंने कहा कि आज 1000 वर्ष की दासता से मुक्ति के लिए सोमनाथ महादेव मंदिर के पुनर्प्रतिष्ठा का अमृत पर्व भी है। 1026 में विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था। 1951 में आज ही के दिन प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के करकमलों से पुनर्प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ था। प्रधानमंत्री सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आज सोमनाथ मंदिर में उपस्थित रहे। मुझे भी काशी विश्वनाथ महादेव के चरणों में इस आयोजन से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। आज ही के दिन अटल जी ने ऑपरेशन शक्ति के अंतर्गत पोखरण में तीन परमाणु विस्फोट किए थे। यह बताता है कि हमारी शक्ति सामर्थ्य की प्रतीक तो है ही, विश्व कल्याण के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

महाभारत कालीन है बागपत का इतिहास

योगी ने कहा कि बागपत का इतिहास महाभारत कालीन है। भगवान कृष्ण ने पांडवों के लिए कौरवों से जो पांच गांव मांगे थे, उनमें एक बागपत भी था। चार वर्ष पहले आया था तो यह बहुत छोटा सा स्थान था लेकिन अर्जुन नाथ जी व उनके सहयोगी ग्रामीणों व श्रद्धालुओं ने इसे तीर्थ बना दिया है। विरासत की रक्षा ऐसे ही होती है। बागपत की इसी धरा ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को जन्म दिया था। यहां के डॉ. सत्यपाल सिंह ने मुंबई पुलिस के मुखिया के रूप में कानून का शासन स्थापित किया। चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल केंद्र व राज्य सरकार के साथ मिलकर बागपत समेत प्रदेश व देश के विकास के लिए नित नए कीर्तिमान स्थापित करने में सहायक हो रहा है। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री जसवंत सिंह सैनी, केपी मलिक, सांसद राजकुमार सांगवान, तिजारा राजस्थान के विधायक बाबा बालकनाथ, विधायक अजय कुमार, योगेश धामा, महंत अर्जुननाथ, महंत चेताईनाथ, पीर लहरनाथ, पीर महंत हरिनाथ, समुद्रनाथ, शेरनाथ, जिताई नाथ, पीर राजनाथ जी महाराज, हरिनाथ जी महाराज, श्रीकृष्ण नाथ आदि मौजूद रहे।

भारत-श्रीलंका के रिश्तों की मजबूत नींव साझा सभ्यतागत विरासत : ओम बिरला

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत और श्रीलंका सदियों पुराने सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों से जुड़े हुए हैं तथा दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत आज भी द्विपक्षीय मैत्री की मजबूत आधारशिला है। बिरला ने सोमवार को संसद भवन में श्रीलंका के ह्यमहिला सांसद कॉकसह्न के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह बात कही। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका सरकार की महिला एवं बाल मामलों की मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही थीं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत

और श्रीलंका के बीच संसदीय आदान-प्रदान लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने हाल ही में एस.एम. मरिक्कर के नेतृत्व में आए श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि सांसदों के बीच नियमित संवाद से दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिली है और आपसी समझ मजबूत हुई है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण अब महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में विकास का हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जब महिलाएं विकास का नेतृत्व करती हैं तो समाज अधिक समावेशी, संतुलित और टिकाऊ बनता है। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन में पारित पहला कानून ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्न था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। बिरला ने कहा कि भारत के कई राज्यों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और वर्तमान में देशभर में 14 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि पंचायतों और शहरी निकायों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

स्वदेशी कौशल और आधुनिक तकनीक ही आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला: गडकरी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित 'प्रकृति संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय सड़क, परिवहन एवम राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि स्वदेशी कौशल और आधुनिक तकनीक का संगम ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक आधारशिला है। गडकरी ने इस विचार गोष्ठी में 'स्वदेशी, स्वावलंबन और प्रकृति संरक्षण' के महत्व पर जोर दिया। डॉ. गोविंद जी के विचारों और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुए, गडकरी ने भारत को 'ऊर्जा आयात' करने वाले देश के बजाय 'ऊर्जा निर्यात' करने वाला देश बनाने का विजन साझा किया। मंत्री ने बताया कि भारत वर्तमान में 22 लाख करोड़ रुपए का जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल-डीजल) आयात करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी से बनने वाली ग्रीन हाइड्रोजन भारत की ऊर्जा निर्भरता को समाप्त कर देगी। गडकरी ने कहा कि आज का किसान केवल अन्न ही नहीं, बल्कि ऊर्जा, डामर (बिटुमेन) और हवाई ईंधन का भी प्रदाता बन रहा है। 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने वाली 'फ्लेक्स इंजन' गाड़ियां अब हकीकत हैं। उन्होंने बताया कि इथेनॉल 65 रुपए लीटर है, जबकि पेट्रोल 120 रूपए लीटर, जिससे जनता का पैसा

बचेगा। मंत्री ने बताया कि पराली जलाने के बजाय अब उससे बायो-सीएनजी और 'सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल' (हवाई ईंधन) बनाया जा रहा है। पानीपत में इस दिशा में बड़ा प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है। 'वेस्ट टू वेल्थ' के सिद्धांत पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि गाजीपुर जैसे कूड़े के ढेरों से 80 लाख टन कचरा निकालकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि 2027 तक देश के सॉलिड वेस्ट (ठोस कचरे) की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। गडकरी ने पारिस्थितिकी और पर्यावरण के संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि बाघों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पेंच टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश/महाराष्ट्र) और अन्य जंगलों में पुलों (अंडरपास) और सुरंगों का निर्माण किया गया है। अब पेड़ों को काटने के बजाय 'ट्रांसप्लांट' करने पर जोर दिया जा रहा है।

सोमनाथ मंदिर भारत की सनातन चेतना, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अमर प्रतीक: नायब सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

पिहोवा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना, अटूट आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अमर प्रतीक है, जिसने हर आक्रमण, हर संघर्ष और हर विपत्ति के बाद राष्ट्र को पुनः खड़े होने की शक्ति दी है।

मुख्यमंत्री सोमवार को कुरुक्षेत्र के पिहोवा स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मंदिर कमेटी पदाधिकारियों और संत समाज ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री और उपस्थित श्रद्धालुओं ने सोमनाथ मंदिर में आयोजित विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष पूजा करते हुए अपना संबोधन दिया। श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे साधु संतों का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शॉल ओढ़ा कर सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा यह वर्षभर का राष्ट्रीय पर्व भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक जागरण और सभ्यतागत निरंतरता का प्रतीक है।

वैदिक नदियों अरुणाय और सरस्वती के पावन संगम स्थल पर इस पर्व का आयोजन इसकी आध्यात्मिक महत्ता को और अधिक दिव्य बना रहा है। उन्होंने कहा कि यहां स्थित प्राचीन संगमेश्वर मंदिर सदियों से इस पवित्र संगम और भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा का साक्षी रहा है।

मुख्यमंत्री ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व 11 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी 2027 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि देशभर से श्रद्धालु सोमनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं तथा हरियाणा से भी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 जून को विशेष ट्रेन रवाना की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नई वैश्विक पहचान और सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भव्य निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का सबसे बड़ा प्रतीक बनी। उन्होंने कहा कि उस समय कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरा देश राममय हो गया था।

युवाओं को भारत की सभ्यतागत विरासत से जोडना समय की आवश्यकता

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं को भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत से जोडना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, भारत केवल भौगोलिक सीमा नहीं है, भारत एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक आध्यात्मिक चेतना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरण और सभ्यतागत चेतना का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने समाज और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। तीर्थ स्थलों के विकास, मंदिरों एवं सरोवरों के संरक्षण तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पावन सरस्वती एवं दृषद्वती नदियों के मध्य स्थित 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि में 367 तीर्थ स्थल हैं, जिनमें से अनेक समय के साथ लुप्तप्राय हो गए थे। राज्य सरकार इन तीर्थ स्थलों के पुनरुद्धार और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण के बाद 18 नए तीर्थ स्थलों को सूची में जोड़ा गया, जिसके बाद अब तक कुल 182 तीर्थ स्थलों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2015 में कुरुक्षेत्र को श्रीकृष्ण सर्किट में शामिल किया गया था तथा इसके अंतर्गत विभिन्न तीर्थ स्थलों का विकास किया जा रहा है। 48 कोस क्षेत्र के 134 स्थानों को पर्यटन एवं आध्यात्मिक स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित ज्योतिसर अनुभव केंद्र आधुनिक तकनीक के माध्यम से महाभारत के दर्शन, इतिहास और संदेश को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत-महात्माओं, धार्मिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को आधुनिकता, विज्ञान और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहना होगा।

शिमला की सब्जी मंडी बनेगी आधुनिक बिजनेस हब हमीरपुर में भी बनेगा सिटी सेंटर : मुख्यमंत्री सुक्खू

शहरी विकास को लेकर किया बड़ा ऐलान, बुनियादी ढांचे और आधुनिक सुविधाओं पर रहेगा जोर

पार्किंग, स्वच्छता और व्यवस्थित ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जाएगा: सीएम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला की पुरानी सब्जी मंडी अब आने वाले समय में एक बड़े कारोबारी और आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में दिखाई दे सकती है। राज्य सरकार यहां बहुमंजिला व्यावसायिक परिसर, स्मार्ट पार्किंग और आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं के साथ केंद्रीय व्यापारिक जिला (सीबीडी) विकसित करने जा रही है।

इसी तरह हमीरपुर में भी पुराने बस अड्डे की जगह आधुनिक सिटी सेंटर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को शहरी विकास विभाग की बैठक में दोनों परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरों में बढ़ती भीड़ को कम करना, आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना और स्थायी राजस्व के नए स्रोत तैयार करना है। सरकार के अनुसार शिमला की सब्जी मंडी केंद्रीय व्यापारिक जिला परियोजना दो चरणों में तैयार की जाएगी, जिस पर कुल 330 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पहले चरण के लिए 210 करोड़ रुपये तय किए गए हैं और इनमें से 160 करोड़ रुपये नगर निगम शिमला और लोक निर्माण विभाग को पहले ही जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने नगर निगम शिमला को निर्देश दिए कि परियोजना क्षेत्र में मौजूद 53 आवास, छह शेड और एसजेपीएनएल कार्यालय को 11 मई तक खाली करवाया जाए। इसके अलावा पार्षद कार्यालय और खाद्य सुरक्षा कार्यालय को 15 मई तक तथा पांच दुकानों को 21 मई तक खाली करवाने को कहा गया है। सरकार चाहती है कि लोक निर्माण विभाग 11 जुलाई तक पूरे क्षेत्र को निर्माण कार्य के लिए तैयार कर दे। साथ ही अगस्त 2026 तक परियोजना की निविदा प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैठक में हमीरपुर की प्रस्तावित 140 करोड़ रुपये की सिटी सेंटर परियोजना की भी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया बस स्टैंड लगभग तैयार है और उसके बाद पुराने बस स्टैंड को हटाकर वहां आधुनिक सिटी सेंटर बनाया जाएगा।

हिमाचल में प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिले से पहले होगा चिट्टा टेस्ट, नशे की कमाई से बनी संपत्तियां भी गिरेंगी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चिट्टे के नशे के बढ़ते खतरे के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नशे के खिलाफ अब तक का सबसे सख्त और व्यापक अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को शिमला में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश के सरकारी शिक्षण संस्थानों में प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लेने वाले छात्रों का हर साल चिट्टा टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और इंजीनियरिंग से जुड़े सरकारी संस्थानों में अगले महीने से यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यदि कोई छात्र चिट्टा टेस्ट में पॉजिटिव पाया जाता है तो उसे कोर्स से बाहर नहीं किया जाएगा, उसका पुनर्वास कराया जाएगा ताकि वह अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नशे को सिर्फ कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, सामाजिक और पीढ़ियों से जुड़ा गंभीर संकट मान रही है। इसी वजह से सरकार ने नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ इलाज और जागरूकता पर भी एक साथ काम शुरू किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती में पहले ही चिट्टा टेस्ट अनिवार्य किया जा चुका है और अब इसे अन्य सरकारी भर्तियों में भी लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि चिट्टे के कारोबार से कमाई गई संपत्तियों को ध्वस्त किया जाएगा और नशे के नेटवर्क से जुड़े लोगों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि नशे से जुड़े 123 सरकारी कर्मचारियों की पहचान की गई थी, जिनमें से 31 को नौकरी से बर्खास्त किया जा चुका है। इनमें 21 पुलिस कर्मचारी भी शामिल हैं। बाकी मामलों में भी कार्रवाई प्रक्रिया जारी है और इन्हें भी बर्खास्त किया जाएगा।

चंबा में खाई में गिरी पर्यटकों की इनोवा गुजरात के 5 पर्यटकों सहित 6 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला/चंबा

देवभूमि हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियां एक बार फिर चीखों से दहल उठीं। चंबा जिले के भटियात उपमंडल के तहत ककीरा-लाहड़ू मार्ग पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पांच पर्यटक गुजरात के भावनगर के रहने वाले थे, जबकि छठा व्यक्ति वाहन का चालक था, जो हिमाचल के मंडी जिले से ताल्लुक रखता था।

इस हादसे में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज, टांडा में चल रहा है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि करीब 3:00 बजे पेश आया। गुजरात के भावनगर से आए पर्यटकों का एक समूह मनाली घूमने के बाद इनोवा कार (नंबर की जांच जारी) में सवार होकर डलहौजी की ओर जा रहा था। जब उनका वाहन ककीरा-लाहड़ू मार्ग पर पहुंचा, तो अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। विजिबिलिटी कम होने और फिसलन भरी सड़क के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते कार सड़क से उतरकर कई सौ फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय गहरी खाई से आने वाली चीख-पुकार सुनकर आसपास के कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। हालांकि, रात का सन्नाटा, घना अंधेरा और तेज बारिश बचाव कार्य में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम और स्थानीय राहत दल मौके पर पहुंचे। खाई इतनी गहरी थी कि राहत कर्मियों को नीचे उतरने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रस्सियों के सहारे पुलिस जवान नीचे पहुंचे और क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकालना शुरू किया। मौके पर ही पांच लोगों ने दम तोड़ दिया था, जबकि एक की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए नजदीकी नागरिक अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, घायलों की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान पुलिस ने इस प्रकार की ललित भाई फटनानी (निवासी: भावनगर, गुजरात) ममता बेन (पत्नी ललित भाई) काजल (पत्नी प्रियंक कनहिया) दिव्यांश (पुत्र प्रियंक कनहिया - मासूम बच्चा) प्रियंक कनहिया लाल जसवंत (पुत्र हरी सिंह, चालक - निवासी: मंडी, हिमाचल प्रदेश) मृतक गुजरात के एक ही परिवार और उनके रिश्तेदारों के बताए जा रहे हैं, जो गर्मियों की छुट्टियां बिताने के लिए हिमाचल आए थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही भावनगर में मातम छा गया है।

नूरपुर में एक किलो 340 ग्राम चरस बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

नूरपुर पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए नूरपुर की टीम ने एक किलो 340 ग्राम चरस की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान बरामद चरस के मामले में चंबा जिला के तीन आरोपियों को काबू किया है। एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने बताया कि नियमित गश्त और चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने डिफेंस रोड कोपड़ा के समीप संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने दो वाहनों ऑल्टो कार नम्बर (एचपी 01सी 2306) और होंडा बीआर-वी नम्बर (एचपी48 ए 7741) को निरीक्षण के लिए रोका। पुलिस टीम ने नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1.340 किलोग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए आरोपियों में सैफ अली (उम्र 30 वर्ष), निवासी एवं तहसील चुराह, जिला चम्बा, अब्दुल्ला (उम्र 33 वर्ष), निवासी एवं तहसील चुराह, जिला चम्बा तथा फारुख (उम्र 20 वर्ष), निवासी एवं तहसील चुराह, जिला चम्बा शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल दोनों वाहनों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। नशे के इस नेटवर्क की गहराई से छानबीन करने के लिए पुलिस द्वारा आगामी तफ्तीश जारी है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव - आरोहन 2026 का किया उद्घाटन

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज श्रीनगर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव - आरोहन 2026 का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन हमारे युवाओं के लिए 'उठो, चमको और विजय प्राप्त करो' की एक नई दृष्टि की घोषणा करता है जो भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाले एक संपूर्ण दर्शन, एक वादा और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की एक साहसिक चुनौती को समाहित करता है। उपराज्यपाल ने कहा, राष्ट्रीय युवा महोत्सव इस बात की घोषणा भी है कि युवाओं का समय आ गया है। हम वह नींव और ढांचा तैयार कर रहे हैं जिस पर भारत की गौरवशाली विरासत का अगला अध्याय मजबूती से खड़ा होगा। उपराज्यपाल ने कहा कि इतिहास कभी भी उन लोगों द्वारा नहीं रचा जाता जो असाधारण बनने के लिए अनुमति का इंतजार करते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर युवा नेता संवाद, 'हैकाथॉन' और 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' में भाग लेने वाले युवाओं से आग्रह किया कि वे आगे आएं और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों, जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें। उन्होंने कहा कि शासन युवाओं की आवाज के बिना फल-फूल नहीं सकता और समावेशी शासन का अर्थ है यह सुनिश्चित करना कि युवाओं की हर प्रमुख क्षेत्र में हो रहे कार्यों में वास्तविक भागीदारी हो।

रोहडू में जिला परिषद और नगर परिषद चुनाव के लिए 46 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिमला जिले के रोहडू में जिला परिषद और नगर परिषद चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी तस्वीर साफ होने लगी है। जिला परिषद चुनाव में कुल 24 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि नगर परिषद रोहडू के चुनाव में 22 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहडू धर्मेश रामोत्रा ने बताया कि जिला परिषद वार्ड सदस्यों के लिए नामांकन के अंतिम दिन सोमवार को 14 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। वार्ड नंबर 7 खशधार से प्रेम राज, सूरज सिंह और रमेश कुमार ने नामांकन भरा। वार्ड नंबर 9 टिक्कर से रमन, अनुपम, ललित कुमार और भरत सिंह कलांटा मैदान में उतरे हैं। वार्ड नंबर 8 भलून से शकुंतला, मिनता, सुषमा और रीना ने नामांकन दाखिल किया, जबकि वार्ड नंबर 5 सीमा रणटाड़ी से राकेश कुमार, सुरेंद्र रेटका और अमनदीप ने पर्चा भरा। उन्होंने बताया कि पूरे नामांकन प्रक्रिया के दौरान जिला परिषद चुनाव के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र जमा किए हैं। नामांकन पत्रों की जांच 12 मई को की जाएगी, जबकि उम्मीदवार 14 और 15 मई को अपने नामांकन वापस ले सकेंगे। वहीं नगर परिषद रोहडू के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार ने आज अपना नामांकन वापस नहीं लिया है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं नायब तहसीलदार रोहडू डीएन शर्मा ने बताया कि नगर परिषद के नौ वार्डों से कुल 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। नगर परिषद के वार्ड नंबर 1 दशालनी से चार उम्मीदवार, वार्ड नंबर 2 अपर बाजार से दो, वार्ड नंबर 3 मुख्य बाजार से दो, वार्ड नंबर 4 सेरी एवं समाला से दो, वार्ड नंबर 5 बस स्टैंड क्षेत्र से दो, वार्ड नंबर 6 ब्लॉक क्षेत्र से दो और वार्ड नंबर 7 कोर्ट रोड क्षेत्र से दो उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं वार्ड नंबर 8 बावटीनाला और वार्ड नंबर 9 शक्तिनगर से तीन-तीन प्रत्याशी मैदान में हैं।

हिमाचल में जनगणना की तैयारी तेज, लोग मोबाइल ऐप और पोर्टल से खुद दे सकेंगे जानकारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में जनगणना-2027 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस कड़ी में राजधानी शिमला के बचत भवन में सोमवार से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरूआत हुई। इसमें जिला शिमला में नियुक्त 26 फील्ड ट्रेनरों को जनगणना से जुड़े तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण 13 मई तक चलेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) एवं जिला जनगणना अधिकारी ज्योति राणा ने की। इस दौरान मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार और रमेश कुमार ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना प्रक्रिया, डेटा संग्रह और डिजिटल प्रणाली के इस्तेमाल को लेकर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी रमेश कुमार समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि इस बार देश में पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 में स्व-गणना की व्यवस्था भी शुरू की जा रही है, जिसके तहत लोग एचएलओ मोबाइल ऐप और सरकारी वेब पोर्टल के माध्यम से खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार लोग 1 जून से 15 जून 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दे सकेंगे। इसके बाद 16 जून से 15 जुलाई 2026 तक मकानों की सूची तैयार करने और मकानों की गणना का काम किया जाएगा। ज्योति राणा ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने का काम नहीं है, बल्कि देश की विकास योजनाओं की बुनियाद तैयार करने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़ी सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जनगणना अधिकारियों को सही और पूरी जानकारी उपलब्ध करवाएं ताकि भविष्य की योजनाएं सटीक आंकड़ों के आधार पर बनाई जा सकें। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से भी जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा करने का आह्वान किया।

तूफानी दौरे पर विधायक पहुंचे काई चुम्बर, पानी व सड़क समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

कठुआ। नगरी मंडल के अंतर्गत आने वाले काई वाला चुम्बर गांव में विधायक ने तूफानी दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी दैनिक जीवन से जुड़ी कई अहम परेशानियां विधायक के सामने रखीं।ग्रामीणों ने विशेष रूप से पेयजल की कमी, सड़क व गलियों की खराब हालत तथा नालियों के निर्माण की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। लोगों का कहना था कि इन मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें लंबे समय से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों व संबंधित विभागों को इन समस्याओं के जल्द समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर नगरी मंडल प्रधान रवि अंडोत्रा, नगरी मंडल महामंत्री प्रवेश शर्मा, पूर्व मंडल प्रधान अर्पण वर्मा, काला शाह, जी डी मन्याल, दौलत राम, हरबंस सैनी, जोध सैनी, डॉ. नसीब, अतर सिंह, पूर्व सरपंच, पूर्व पंच सहित इलाके के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान विधायक ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और शीघ्र ही आवश्यक कार्य शुरू करवाए जाएंगे।

भाजपा ने पालमपुर नगर निगम चुनाव में बागी उम्मीदवार को किया निलंबित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भारतीय जनता पार्टी ने पालमपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे एक कार्यकर्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल ने पालमपुर के वार्ड नंबर-5 सुग्घर से चुनाव लड़ रहे संजीव राणा की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनाव के लिए गठित अनुशासन समिति को संगठनात्मक जिला पालमपुर और पालमपुर शहरी मंडल से शिकायत मिली थी कि संजीव राणा पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। समिति ने मामले पर विचार करने के बाद इसे अनुशासनहीनता का गंभीर मामला माना और प्रदेश अध्यक्ष से कार्रवाई की सिफारिश की।इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल ने पार्टी संविधान के अनुसार कार्रवाई करते हुए संजीव राणा की प्राथमिक सदस्यता निलंबित करने के आदेश जारी किए। यह जानकारी भाजपा हिमाचल प्रदेश के प्रदेश कार्यालय सचिव प्रमोद ठाकुर की ओर से जारी की गई है। प्रदेश के 51 शहरी निकायों में 17 मई को मतदान होना है। नगर परिषद और नगर पंचायतों में मतगणना मतदान के तुरंत बाद की जाएगी, जबकि चार नगर निगमों धर्मशाला, पालमपुर, मंडी और सोलन में मतगणना 31 मई को होगी।

कठुआ में नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार करोड़ों की अवैध संपत्तियां जमींदोज

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

नशा मुक्त अभियान के तहत कठुआ जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को राजबाग के कोटपुन्नू क्षेत्र में तीन बड़े नशा तस्करों के मकानों को ध्वस्त कर दिया।

यह सभी निर्माण राज्य भूमि पर अवैध रूप से किए गए थे। जिन आरोपियों के मकान गिराए गए उनमें लियाकत अली उर्फ लियाकतू, गग्गू दीन और शम दीन शामिल हैं। ये सभी शरीफ मोहम्मद के पुत्र हैं और तहसील मढ़हीन जिला कठुआ के निवासी हैं। जिला प्रशासन के अनुसार तीनों आरोपी नशा तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं और इनके खिलाफ कुल 16 एफआईआर दर्ज हैं। ध्वस्त की गई संपत्तियों की अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने कहा कि यह कार्रवाई नशे के खिलाफ जारी मुहिम का हिस्सा है और सरकार की मंशा स्पष्ट है कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने यह भी दोहराया कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभाव से मुक्त किया जा सके।

मौसम | हिमाचल में 15 तक मौसम खराब रहने की संभावना

मई में भी ठंड, कई जगह आंधी-वर्षा, 15 तक अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मई महीने में भी मौसम के तीखे तेवर जारी हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में बीती रात तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश हुई। इससे खासतौर पर पहाड़ी इलाकों में मौसम सर्द हो गया और कई जगह जनजीवन भी प्रभावित हुआ।शिमला, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, बिलासपुर और ऊना जिलों में आधी रात के दौरान तेज हवाएं चलीं और कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कई क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश का दौर सोमवार को भी जारी रहा।

उधर, राज्य की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं में हल्की बर्फबारी होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शिमला, मनाली और अन्य पहाड़ी इलाकों में मई के महीने में भी लोगों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। मौसम के इस बदले मिजाज से प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चल रहे हैं और निचले व मैदानी क्षेत्रों में भी हीटवेव का असर नहीं दिख रहा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश में 15 मई तक बारिश, आंधी और बिजली चमकने का अलर्ट जारी किया है, जबकि 17 मई तक मौसम खराब बने रहने का अनुमान जताया गया है। विभाग के अनुसार आज 11 और कल 12 मई को कई इलाकों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इन दो दिनों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 13, 14 और 15 मई को भी बारिश, अंधड़ और बिजली चमकने का येलो अलर्ट रहेगा। इस दौरान भी कई जगह तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। 16 और 17 मई को भी मौसम खराब रहेगा, हालांकि इन दिनों के लिए कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। गुलेर और पंडोह में सबसे अधिक 41-41 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा कांगड़ा में 32 मिमी, सराहन में 30 मिमी, जोगेंद्रनगर में 29 मिमी, घुमारवीं में 27 मिमी, भुंतर और पालमपुर में 25-25 मिमी, भरेड़ी में 24 मिमी, मंडी में 22 मिमी, खदराला में 20 मिमी और देहरा गोपीपुर में 18 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला, सुंदरनगर, जोत, कांगड़ा, भुंतर, मुरारी देवी और जुब्बड़हट्टी में बिजली चमकने की घटनाएं भी सामने आईं, हालांकि किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। सुंदरनगर, सियोबाग और बिलासपुर में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

शिमला में न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री, सुंदरनगर में 17.3, भुंतर में 15.1, कल्पा में 8, धर्मशाला में 10.9, ऊना में 18.6, नाहन में 16.5, केलांग में 4, पालमपुर में 14, सोलन में 16, मनाली में 11.6, कांगड़ा में 17.3, मंडी में 17.7 और बिलासपुर में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में तापमान 6.9 डिग्री और कुफरी में 8.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। मई महीने में लगातार हो रही बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों और बागवानों की चिंता बढ़ा दी है।

संक्षिप्त-समाचार

निखिल की मौत से मामला अब डबल मर्डर में तब्दील, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

कठुआ। कठुआ में बीते दिनों हुए सनसनीखेज हमले ने अब डबल मर्डर का रूप ले लिया है। प्रेम प्रसंग में शुरू हुई रंजिश ने ऐसा खौफनाक मोड़ लिया कि एक ही मां के दोनों बेटों की जान चली गई जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार पारस वर्मा उर्फ सुमित (पुत्र सोमराज, निवासी वार्ड नंबर 9 कठुआ) ने अपने ही करीबी दोस्त नकुल सिंह और उसके भाई निखिल सिंह पर उनके घर में घुसकर क्रिकेट बैट से हमला किया था। इस हमले में नकुल सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी जबकि निखिल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल निखिल को पहले जीएमसी कठुआ और फिर बेहतर इलाज के लिए एम्स जम्मू रेफर किया गया जहां सोमवार को उपचार के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई। निखिल की मौत के साथ ही यह मामला अब डबल मर्डर में तब्दील हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे प्रेम प्रसंग की रंजिश सामने आई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी और मृतक दोनों एक ही लड़की से प्रेम करते थे। इसी विवाद के चलते आरोपी ने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठाया। जब निखिल ने अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उस पर भी बेरहमी से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था और मृतक का फोन भी गायब था जिसे पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया। इस ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाने के लिए कठुआ पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया था। एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 25 घंटे के भीतर ही इस पूरे मामले की गुत्थी सुलझा ली और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

तेज हवाओं और तूफान के बाद बीएसएनएल का एक मोबाइल टावर घर पर गिरा

जम्मू। जम्मू संभाग के सांबा जिले में तेज हवाओं और भीषण तूफान के बाद भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का एक मोबाइल टावर घर पर गिर गया जिससे एक परिवार बाल-बाल बच गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को पांगदौर गांव में घटी जब तेज हवाओं के साथ भारी बिजली और बारिश ने इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया जिससे व्यापक नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएनएल का टावर बनारसी दास के घर पर गिर गया जिससे उनके घर को भारी नुकसान पहुंचा। घर के दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए जबकि पास के टिन के शेड और सोलर पैनल भी टूट गए। एक अधिकारी ने बताया कि आधी रात को तेज हवाओं के साथ एक शक्तिशाली तूफान आया। मोबाइल टावर पूरी तरह से उनके घर पर गिर गया जिससे दो कमरों को नुकसान पहुंचा। इस भयावह घटना को याद करते हुए बनारसी दास ने बताया कि वह आधी रात करीब 12:30 बजे जाग रहे थे जब उन्होंने तेज बिजली और बारिश के बीच एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि आवाज इतनी तेज थी कि पहले तो हमें समझ ही नहीं आया कि क्या गिरा है। मैंने तुरंत बच्चों को अंदर रहने और बाहर न आने को कहा।बदास ने बताया कि बारिश थोड़ी कम होने के बाद जब परिवार बाहर आया तो देखा कि टावर उनके घर पर गिर गया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए हैं, हालांकि बगल के शेड सुरक्षित रहे।

टूटी तारों को ठीक करते लाइनमैन को लगा करंट, मौत

धर्मशाला। कांगड़ा जिला के पालमपुर के साथ लगते विद्युत उपमंडल विंद्रावन में बतौर लाइनमैन कार्यरत मोहन लाल उर्फ मोनू की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में विभाग की लापरवाही सामने आई है। जानकारी के मुताबिक रविवार रात आए तूफान के कारण यहां पर विद्युत लाइनें टूट गई थी। सोमवार सुबह निगम वार्ड सात विंद्रावन के जंगल में बिजली की तूफान से टूटी तारों को वह खंबे पर चढ़ कर ठीक कर रहा था, जबकि पांच छह कर्मचारी खंबे के नीचे तार खींच रहे थे। इस कार्य को लेकर विद्युत लाइन काटी गई थी, लेकिन काम करते समय ही पीछे से किसी कर्मचारी द्वारा लाइन को आन कर दिया गया। इस दौरान खंबे के नीचे काम कर रहे कर्मचारियों को तार में करंट आने का आभास होते ही सभी ने एकदम से तार छोड़ दी, लेकिन खंबे पर चढ़े मोहन लाल को संभलने का कोई मौका नहीं मिला। खंबे में करंट आने के कारण वह उसकी चपेट में आ गया और खंबे पर ही झुलस गया। 28 वर्षीय मोनू की अभी कुछ माह पहले ही शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी के साथ किराए के मकान में यहां पर रहता था। मृतक कांगड़ा के रानीताल का रहने वाला था। सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन व विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे है। मामले की जांच की जा रही है।00

शी-बॉक्स के जरिए महिलाएं सुरक्षित और गोपनीय तरीके से करवा सकती हैं शिकायत दर्ज

कठुआ। महिला डिग्रगवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वूमेन कठुआ में कैश समिति की ओर से शी बॉक्स विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जैपाल सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा, उनके अधिकारों और शिकायत निवारण प्रणाली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान समिति की संयोजक डॉ. रचना ने छात्राओं को शी बॉक्स के महत्व, आवश्यकता और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शी बॉक्स एक ऑनलाइन शिकायत मंच है जहां महिलाएं सुरक्षित और गोपनीय तरीके से अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके माध्यम से छात्राएं किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अनुचित व्यवहार के खिलाफ बिना डर के अपनी आवाज उठा सकती हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नायब सिंह सैनी ने पिहोवा के अरुणाय में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राज्य स्तरीय कार्यक्रम में की शिरकत

सैनी ने श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर में प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए की पूजा अर्चना

सिटी दर्पण संवाददाता
पिहोवा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज जिला कुरुक्षेत्र के पिहोवा के अरुणाय स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में विधि पूर्वक पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राज्य स्तरीय पर्व कार्यक्रम के दौरान अरुणाय में 101 महिलाओं की कलश यात्रा को रवाना किया। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच निकाली गई इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने 48 कोस के विभिन्न तीर्थ स्थलों से पहुंचे संत-महात्माओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में अरुणाय लंगर हॉल का उद्घाटन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विषय पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत तथा देश की आस्था और स्वाभिमान से जुड़े विभिन्न पहलुओं को आकर्षक चित्रों एवं जानकारियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी नई पीढ़ी को अपने इतिहास एवं संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पवित्र तीर्थ स्थल ज्योतिसर पहुंचकर विधि पूर्वक पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने ज्योतिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंडित शंभू दत्त, पंडित भूधर गौतम, पंडित कमल गौतम, पंडित सतीश, पंडित सचिदानंद, पंडित यगदत्त, पंडित नरेश, पंडित शुभम, पंडित पंकज, पंडित रवि, पंडित अरविंद, पंडित चंदन तिवारी, पंडित राजीव, पंडित अजय, पंडित मोंटू, पंडित गंगोत्री, पंडित हितेश शर्मा, पंडित प्रमोद, पंडित हर्ष, पंडित वीरेंद्र, पंडित शुभम को सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद महाराज, रविन्द्र पुरी महाराज, ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, बंसी पुरी महाराज, पंडित सतपाल महाराज, सुभाष सुधा, तेजेन्द्र गोल्डी, जयभगवान शर्मा डीडी, वर्षा खांगवाल, मनीष लोहान, डॉ. कुलदीप सैनी, गौतम भूषण, तुषार सैनी, धर्मवीर मिर्जापुर, धूमन सिंह किरमच, उपेन्द्र सिंघल, कंवलजीत कौर, गुरनाम सैनी सहित विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, धर्मवीर डागर, सुमन लता, संत-महात्मा, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी पर आरडी 66700 के आरसीसी पाइपलाइन का कार्य 15 जून तक पूरा करें: श्रुति चौधरी

- आरडी 42500 से 66600 तक के वन विभाग से जुड़े लंबित कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर तुरंत निपटाने के दिए निर्देश
- बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी को 41.30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है रीमॉडलिंग
- मंत्री श्रुति चौधरी ने बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी रीमॉडलिंग परियोजना का किया औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी रीमॉडलिंग परियोजना के आरडी 66700 के आरसीसी पाइपलाइन के कार्य आगामी 15 जून तक हर हाल में पूरे किए जाएं, ताकि क्षेत्र के किसानों और आमजन को इसका लाभ समय पर मिल सके। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने यह निर्देश आज बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी रीमॉडलिंग परियोजना के औचक निरीक्षण के दौरान दिए।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी को 41.30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से रीमॉडलिंग करने के कार्य को मंजूरी दी थी और इस परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो तथा सभी लंबित प्रक्रियाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। सिंचाई मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के पूरे होने से चरखी दादरी शहर सहित आसपास के लगभग 35 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे क्षेत्र के लगभग 2.30 लाख लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था और अधिक मजबूत एवं स्थायी बनेगी। उन्होंने बताया कि सिंचाई हेतु बेहतर जल आपूर्ति व्यवस्था से लगभग 1.50 लाख ग्रामीण निवासियों तथा लगभग 80 हजार ग्रामीण नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। यह परियोजना आने वाले वर्षों में क्षेत्र की बढ़ती जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटरी के रीमॉडलिंग कार्य पूरा होने के बाद किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी तथा पानी की आपूर्ति अधिक सुचारू और प्रभावी तरीके से सुनिश्चित हो सकेगी। इससे खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित आरडी 42500 से 66600 तक वन विभाग के जो भी लंबित मुद्दे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तुरंत क्लियर किया जाए, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और परियोजना का पूरा लाभ समय पर जनता तक पहुंच सके। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से लगभग 9974/8834 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई संभव हो सकेगी। इससे किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलेगी, फसल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और किसानों की आय में भी सकारात्मक सुधार आएगा।

एनडीए की लिखित परीक्षा में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 30 छात्र हुए सफल

- गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दी शुभकामनाएं, गुरुकुल में खुशी की लहर

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि संस्थान के 30 विद्यार्थियों ने यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एनडीए-157 लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर गुरुकुल का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरे गुरुकुल परिवार में उत्सव का माहौल है। गुजरात के राज्यपाल एवं गुरुकुल के प्रेरणास्रोत आचार्य देवव्रत जी ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं गुरुकुल परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भविष्य के लिए उज्ज्वल सफलता की कामना की। इस अवसर पर गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, एनडीए ब्लॉक के सूबेदार बलवान सिंह एवं अशोक चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यूपीएससी एनडीए-157 लिखित परीक्षा के घोषित परिणामों में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 30 विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की है। एनडीए परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों में अर्पित कुमार, किशन आर्य, अनिकेत, अभिषेक पांडेय, सूर्यवंश प्रताप सिंह, चिराग यादव, विवेक कुमार गुप्ता, नवदीप कुण्डू, कमल किशोर गोदारा, नवीन, अंकुश नैन, हितेष मेहला, जतिन राय, युवराज सिंह, इन्द्रेश दांगी, यशप्रीत, देव, भावेश मानन, अधव्य सिंह पंवार, प्रियांशु, भव्य स्वामी, आशुतोष कुमार सिंह, आदित्य मान, अभिषेक पांडेय, हर्ष राणा, रचित चौधरी, ऋषभ चौधरी, मुकुल, अमन एवं शुभम गुलिया शामिल हैं।

हरियाणा में छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने की बड़ी पहल

- शिक्षण संस्थान करेंगे इंडिया स्पेस लैब के समर इंटर्नशिप कार्यक्रम में भागीदारी
- ड्रोन टेक्नोलॉजी से लेकर रॉकेट विज्ञान तक मिलेगा प्रशिक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान, उभरती तकनीकों और नवाचार आधारित शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों और शिक्षकों का पंजीकरण इंडिया स्पेस लैब-समर इंटर्नशिप एवं टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम-2026 में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों को जारी पत्र में कहा गया है कि नई दिल्ली स्थित इंडिया स्पेस लैब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को अंतरिक्ष विज्ञान एवं अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में व्यावहारिक और तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि इस कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए तथा इसकी जानकारी विभागीय वेबसाइटों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य आधिकारिक माध्यमों पर भी उपलब्ध करवाई जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।

इंडिया स्पेस लैब द्वारा जारी कार्यक्रम विवरण के अनुसार समर इंटर्नशिप एवं तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को एडवांस ड्रोन टेक्नोलॉजी, कैनसैट एवं क्यूबसैट (स्टूडेंट सैटेलाइट), रॉकेट्री ट्रेनिंग, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस, डिजास्टर मैनेजमेंट और अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित अन्य आधुनिक विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा लाइव सेशन लिए जाएंगे। प्रतिभागियों को विभिन्न अंतरिक्ष परियोजनाओं, तकनीकी प्रयोगों, उपग्रह प्रणालियों तथा आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा शोधार्थी भाग ले सकेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को केवल सैद्धांतिक शिक्षा तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उन्हें भविष्य की प्रौद्योगिकियों और वैश्विक स्तर के वैज्ञानिक नवाचारों से सीधे जोड़ेंगे।

समर इंटर्नशिप कार्यक्रम को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे बैच के लिए 10 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे जबकि कक्षाएं 17 जून से 4 जुलाई तक संचालित होंगी। कार्यक्रम में कुल 2315 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें पहले बैच के लिए 1270 थीं जबकि दूसरे बैच के लिए 1045 सीटें निर्धारित की गई हैं। प्रतिभागियों के लिए 950 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार का स्टाइपेंड प्रदान नहीं किया जाएगा।

इंडिया स्पेस लैब ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए व्यापक सुधारों तथा विकसित भारत 2047 अभियान के अंतर्गत युवाओं को स्पेस टेक्नोलॉजी, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह समर इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि देश के विद्यार्थी वैश्विक स्तर की तकनीकी समझ और कौशल विकसित कर सकें।

संक्षिप्त-समाचार

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पूर्व प्रधान के संस्थान पर एचपीसीएल ने मदर्स डे पर आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

कुरुक्षेत्र। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पूर्व प्रधान सत्य प्रकाश गुप्ता के सौ फूटा रोड पर स्थित पेट्रोल पम्प श्री बाला जी फिलिंग स्टेशन पर रविवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) के मदर्स डे पर विशेष अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एचपीसीएल क्षेत्रीय सेल्स प्रमुख जैरुस की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। विनय गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में कमला रानी, प्रियंका गुप्ता, बिमला, ज्योत्सना, भावना इत्यादि महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने मदर्स डे पर माताओं के निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण को सम्मानित किया है। कंपनी ने घर और कार्यस्थल दोनों जगह संतुलन बनाने वाली माताओं की शक्ति की सराहना की और उन्हें हर सफलता के पीछे की असली ताकत बताया है। इस अवसर पर विनय गुप्ता के साथ राजेश सिंगला, मुनीश मित्तल, अशोक गर्ग, संजीव गर्ग इत्यादि भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम सहित हरियाणा के शहरों में फैली गंदगी, बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर तुरंत समाधान निकाले सरकार: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने गुरुग्राम सहित हरियाणा के विभिन्न शहरों में पिछले कई दिनों से फैले कचरे और सफाई व्यवस्था के चरमराने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सरकार सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है जिस शहर में देखों सड़को पर कूडा फैला हुआ है या ढेर लगे हुए है। शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, लेकिन सरकार अभी तक संवेदनशीलता के साथ समाधान निकालने में असफल रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के अनेक शहरों में पिछले लगभग 11 दिनों से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण बाजारों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरे के ढेर लग चुके हैं, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि गुरुग्राम जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले शहर में हजारों टन कचरा सड़कों पर पड़ा होना सरकार और प्रशासन की विफलता को उजागर करता है। भारी टैक्स देने वाले नागरिकों को यदि साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधा भी न मिले, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, लेकिन सरकार अभी तक संवेदनशीलता के साथ समाधान निकालने में असफल रही है। सांसद ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी जायज मांगों को लगातार अनदेखा करना उचित नहीं है। ठेका प्रथा, नियमितीकरण, बकाया वेतन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद ही समाधान का। रास्ता होता है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही। कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की कि वह तुरंत सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से वार्ता कर समाधान निकाले ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शहरों में सफाई व्यवस्था सामान्य हो।

युवा शोध और प्रौद्योगिकी में दक्ष बनकर राष्ट्र निर्माण में निभाएं अग्रणी भूमिका: कुलपति प्रो. मिलाप पूनियां

- एमडीयू के यूआईईटी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर दिखा नवाचार का उत्साह, विद्यार्थियों ने पेश किए अत्याधुनिक मॉडल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आज का युवा केवल डिग्री लेने तक सीमित न रहे, बल्कि उत्कृष्ट शोधार्थी और तकनीक में पारंगत बनकर देश और समाज के उत्थान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। यह प्रेरक संदेश महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. संदीप बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान आयोजित विज्ञान एवं इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा, तकनीकी दक्षता और नवाचार सोच का शानदार उदाहरण बनी। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और विद्युत सुरक्षा जैसे विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए।

कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक और शोध ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने शिक्षकों से ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन देने का आान किया ताकि वे भी आधुनिक तकनीक और शोध के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। रजिस्ट्रार प्रो. संदीप बंसल ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस युवाओं को नवाचार, शोध और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक का उपयोग समाज हित और राष्ट्र निर्माण में करने का आान किया।

इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विशाल, हिमांशु, रुद्र, आकाश, हर्ष और नितिन की टीम ने फैब्रिकेशन एंड एनालिसिस ऑफ एयर प्यूरीफायर प्रोजेक्ट के लिए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं हर्ष, आकाश और आशीष की टीम ने हाई परफॉर्मेंस पॉलीमर एफ-एफएफ प्रिंटर प्रोजेक्ट के लिए पहला स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र हार्दिक सिन्हा को आईओटी बेस्ड ऑटोनॉमस लेजर कटिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम प्रोजेक्ट के लिए मिला।

हरियाणा ने 'राज्य-व्यापी आपातकालीन प्रतिक्रिया ढांचे' के साथ आपदा तैयारी को किया मजबूत

- डॉ. सुमिता मिश्रा ने 'इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम' के तहत सभी विभागों और जिलों को व्यापक निर्देश जारी किए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने सभी विभागों और जिलों में आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक राज्यव्यापी तैयारी अभ्यास शुरू किया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने 'इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम' के तहत हरियाणा राज्य आपदा प्रतिक्रिया नियमावली के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए हरियाणा के वरिष्ठ अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं।

डॉ. मिश्रा की इस पहल को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार के रूप में देखा जा रहा है, जिसे आपदाओं और आपात स्थितियों के दौरान त्वरित, अधिक समन्वित और कुशल प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गठित 'इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम' को हरियाणा में राज्य और जिला दोनों स्तरों पर पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। यह ढांचा आपात स्थिति के दौरान कमान, समन्वय और संसाधन प्रबंधन के लिए एक संरचित तंत्र प्रदान करता है।

डॉ. मिश्रा ने जानकारी दी कि आईआरएस ढांचा प्रत्येक हितधारक की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, जिससे विभाग बाढ़, लू , औद्योगिक दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों के दौरान तालमेल के साथ कार्य कर सकें। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य आपदा प्रतिक्रिया नियमावली भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप तैयार की गई है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य स्तर पर 'इंसीडेंट कमांडर' के रूप में 24 प्रमुख हितधारक विभागों के प्रशासनिक सचिवों को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि नामित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से पूरी तरह परिचित हों। इन विभागों में गृह, पर्यावरण एवं वन, परिवहन, नागरिक उड्डयन, वित्त, पुलिस, सिंचाई, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और अग्नि सेवा आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, उन्होंने हरियाणा के सभी 23 उपायुक्तों को भी पत्र लिखा है, जो जिला स्तर पर 'जिम्मेदार अधिकारी' के रूप में कार्य करते हैं। उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और मॉक ड्रिल आयोजित की जाएं।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एवं सतत ऊर्जा विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

- विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहा है इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस: प्रो. राजीव कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एचएससीएसआईटी), पंचकूला के सहयोग से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एवं सतत ऊर्जा रही, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर तकनीक के बदलते स्वरूप और उसके सामाजिक प्रभावों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. राजकुमार, अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए की गई। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार आज के समय में समाज और पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य मानव जीवन को अधिक सुखद और सरल बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी तकनीकी शिक्षा और नवाचार क्षमता का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान के लिए करें। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय में स्थापित किए जा रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सहित नई ढांचागत परियोजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

राम मंदिर से सोमनाथ मंदिर तक, हमारी मान्यताओं को मिल रहा है पूर्ण सम्मान : अनिल विज

- मैनें भी सोमनाथ मंदिर में जाकर शीश नवाया है व दर्शन किए, वहां वातावरण मन को तृप्ति व शांति देने वाला: विज
- विज ने अंबाला के हाथीखाना मंदिर में सोमनाथ मंदिर के 75वें प्राण-प्रतिष्ठा पर आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर बतौर मुख्यतिथि लोगों को संबोधित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी पल को चूकते नहीं है, जो हमारी जनता की मान्यताओं के स्थान है जिनमें राम मंदिर, विश्वनाथ मंदिर हो या अन्य स्थान हो, सभी को पूरा सम्मान दिया जाता है। उसी प्रकार, आज सोमनाथ मंदिर के 75वें प्राण-प्रतिष्ठा अवसर पर प्रधानमंत्री ने सारे देश को जोड़ा है तथा वो स्वयं सोमनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए वहां उपस्थित हुए हैं। श्री विज आज सोमनाथ मंदिर के 75वीं प्राण-प्रतिष्ठा पर अम्बाला छावनी के कैलाश हाथीखाना मंदिर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश वहीं तरक्की करता है जिसका सर्वांगीण विकास हो, उसकी अर्थव्यवस्था भी सुधरे, उसका ढांचा भी मजबूत बने, जनता को मिलने वाली सुविधाएं, सेनाएं भी मजबूत हो और हमारी मान्यता और सांस्कृति के जितने भी स्थान है उनका भी उत्थान हो तथा प्रधानमंत्री मोदी इन सबका ध्यान रखते हैं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि उन्होंने भी सोमनाथ मंदिर में जाकर शीश नवाया है व दर्शन किए हैं। वहां पर जो वातावरण और शांति है वह लाख स्माधियों से भी ज्यादा मन को तृप्ति व शांति देने वाली है। आज वहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं गए हैं क्योंकि 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति राधाकृष्णन जी ने प्राण प्रतिष्ठा की थी, आज इसी का 75वां वर्ष मंदिर में मनाया जा रहा है जहां पर शिव का स्थान है और मंदिर है।

उन्होंने कहा कि आज सोमनाथ मंदिर का 75वां पर्व अम्बाला छावनी के ऐतिहासिक कैलाश हाथीखाना मंदिर में मनाया जा रहा है जोकि सौभाग्य की बात है। वह संत बाबा मनमोहन दास जी का आभार व्यक्त करना चाहते हैं कि उन्होंने खुद इस कार्यक्रम में शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का इतिहास प्रचलित है जिसे अनेकों बार तोड़ा गया व अनेकों बार बनाया गया। बाहर से जितने आक्रमणकारी आते थे जिनमें गजनवी, औरंगजेब व अन्य लुटेरे थे। वह हमारे देश में बाहर से जो भी शासन करने आते थे वह सब लुटेरे थे। उन्होंने हमेशा सोमनाथ मंदिर जोकि धन-धानय से भरपूर था इसको लूटने की कोशिश की और अनेकों बार इसको तोड़ा भी गया क्योंकि यह हमारी मान्यता और स्वाभिमान का स्थान था। लुटेरे हमारे स्वाभिमान पर प्रहार करना चाहते थे, इसलिए बार-बार इसे तोड़ा गया। 1947 में हिंदुस्तान जब आजाद हुआ तब सोमनाथ मंदिर बाहरी आक्रमणों की वजह से खंडित था। मगर सरदार वल्लभ भाई पटेल ने प्रण लिया था कि हम पहले जैसा ही मंदिर बनाकर देंगे। मगर तब चचाएं आई कि और मंदिर को जनता के सहयोग से पुनः बनाया गया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सोमनाथ मंदिर में जो 10 शिवलिंग हैं इनमें पहला शिवलिंग पहले मंदिर में लगा है। यह मंदिर भारत भूमि में अरब सागर के किनारे है जहां से दक्षिणी ध्रुव तक बीच में कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, कोई भी देश नहीं, कोई भी खंड व भाग नहीं है। वहां पर एक स्तम्भ भी है जोकि दक्षिण धुरव की ओर इशारा करता है, वह यह भी दशार्ता है कि हमारे पूर्वज इस ज्ञान में पारंगत थे। उन्हें मालूम था कि पृथ्वी गोल है इसे भू-गोल कहते हैं जिसे अंग्रेजों ने बाद में बताया कि पृथ्वी गोल है। मगर हम शुरू से इसे भू-गोल कहते हैं। इसके अलावा, एस्ट्रॉलजी का भी सारा ज्ञान हमारे पूर्वजों को था। इससे पहले, कार्यक्रम में पहुंचे ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने हाथीखाना मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में पहुंचने पर मंत्री अनिल विज का डीसी अजय सिंह तोमर व एसडीएम अम्बाला छावनी कनिका गोयल ने अभिनन्दन किया। अधिकारियों ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक वर्ष भर चलने वाले राष्ट्रीय स्मराणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज अम्बाला छावनी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि मंत्री अनिल विज ने मन्दिर के मंहत संत मोहनदास जी को सम्मान पूर्वक शॉल भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। वहीं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंटकर उनका स्वागत किया।

संपादकीय

न्यायपालिका का डिजिटल क्रांति की ओर ऐतिहासिक कदम

भारतीय न्यायपालिका ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल संविधान की रक्षक ही नहीं, बल्कि समय के साथ बदलने और नागरिकों की सुविधा के लिए नई तकनीक को अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार, 11 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में दिन की कार्यवाही आरंभ होते ही दो अत्यंत महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों की घोषणा की – 'वन केस वन डेटा' और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट 'सु सहाय' । ये दोनों पहलें न्यायिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैं। भारत एक विशाल देश है जहाँ उच्चतम न्यायालय से लेकर तालुका स्तर के अदालतों तक न्यायिक तंत्र का विस्तार है। इस विशाल ढाँचे में लाखों मुकदमे एक साथ चलते हैं। अब तक इन सभी अदालतों का डेटा अलग-अलग प्रणालियों में संग्रहीत था, जिससे किसी भी मामले की समग्र जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध नहीं हो पाती थी। इस समस्या के समाधान के लिए 'वन केस वन डेटा' पहल की शुरूआत की गई है। इस पहल के अंतर्गत देश के समस्त उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों और तालुका न्यायालयों की बहुस्तरीय जानकारी को एक एकीकृत डिजिटल प्रणाली में समाहित किया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि किसी भी मुकदमे से संबंधित संपूर्ण जानकारी – चाहे वह किसी भी स्तर के न्यायालय में हो – एक ही स्थान पर एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं इस पहल की व्याख्या करते हुए कहा कि इसके माध्यम से एक कुशल केस प्रबंधन प्रणाली विकसित करने की दिशा में न्यायपालिका अग्रसर हो रही है। इस पहल की आवश्यकता को समझने के लिए हमें भारतीय न्यायिक तंत्र की जटिलताओं पर विचार करना होगा। देश में अदालती मामलों का बोझ अत्यंत भारी है। लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है और न्यायिक देरी एक पुरानी समस्या रही है। ऐसे में जब एक ही मुकदमे की सुनवाई विभिन्न स्तरों पर चलती है – पहले निचली अदालत में, फिर उच्च न्यायालय में, और अंततः सर्वोच्च न्यायालय में – तो प्रत्येक चरण पर अलग-अलग डेटा प्रणालियों के कारण जानकारी के संकलन में कठिनाई होती है। 'वन केस वन डेटा' इस खाई को पाटने का काम करेगा। यह पहल केस ट्रैकिंग को सरल बनाएगी, न्यायाधीशों को त्वरित और संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगी, और वादकारियों को अपने मुकदमे की स्थिति जानने में सहायक होगी। मुख्य न्यायाधीश की दूसरी घोषणा उतनी ही महत्वपूर्ण है – 'सु सहाय' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट का शुभारंभ। यह चैटबॉट सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट के साथ एकीकृत किया गया है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने इसे सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री के सहयोग से विकसित किया है। 'सु सहाय' का उद्देश्य अत्यंत सरल और जनोपयोगी है। अक्सर यह देखा जाता है कि आम नागरिक – विशेषकर जो पहली बार किसी कानूनी प्रक्रिया से गुजर रहे हों – यह नहीं समझ पाते कि सर्वोच्च न्यायालय की सेवाओं तक कैसे पहुँचें, याचिका कैसे दाखिल करें, या किस प्रकार की जानकारी कहाँ से प्राप्त करें। अधिकांश लोग भाषाई और प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण न्यायिक सेवाओं का उपयोग कर पाने में असमर्थ रहते हैं। 'सु सहाय' इसी समस्या का समाधान करने के लिए तैयार किया गया है। यह चैटबॉट नागरिकों को सर्वोच्च न्यायालय की आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने के लिए सरल और सुविधाजनक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। 'सु सहाय' नाम भी अत्यंत सार्थक है – 'सु' अर्थात सुगम या सुंदर, और 'सहाय' अर्थात सहायक। यानी यह चैटबॉट नागरिकों का एक सुगम सहायक बनेगा जो उन्हें न्याय की जटिल राहों में दिशा दिखाएगा। यह दोनों पहलें केवल तकनीकी नवाचार नहीं हैं – ये न्याय की अवधारणा को व्यापक और समावेशी बनाने की एक सुविचारित कोशिश हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39अ में सभी नागरिकों को समान न्याय और निशुल्क कानूनी सहायता का अधिकार दिया गया है। परंतु व्यवहार में न्याय तक पहुँच अभी भी अनेक नागरिकों के लिए एक चुनौती बनी हुई है – चाहे वह आर्थिक कारण हो, भौगोलिक दूरी हो, या प्रक्रियागत जटिलता। 'वन केस वन डेटा' और 'सु सहाय' इन बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। विश्व के अनेक विकसित देशों में न्यायपालिकाएँ पहले ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक को अपना चुकी हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर और एस्टोनिया जैसे देशों में ई-कोर्ट और अकआधारित न्यायिक सहायता प्रणालियाँ सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। भारत भी इस दिशा में धीरे-धीरे परंतु दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है और आज की घोषणाएँ इसी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इन पहलों को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों और बार के सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि ये पहलें सभी हितधारकों – वादकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायाधीशों और प्रशासनिक अधिकारियों – के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। यह सराहना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी संस्थागत परिवर्तन की सफलता केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि उसे लागू करने वाले मानव संसाधन पर भी निर्भर करती है। हर नई पहल के साथ कुछ चुनौतियाँ भी होती हैं। 'वन केस वन डेटा' के सफल क्रियान्वयन के लिए देश भर के सभी न्यायालयों में पर्याप्त डिजिटल अवसंरचना, प्रशिक्षित कर्मचारी और निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी की आवश्यकता होगी। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में अभी भी यह सुविधाएँ सीमित हैं। इसी प्रकार 'सु सहाय' की उपयोगिता तभी पूरी होगी जब यह हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी उतनी ही दक्षता से काम कर सके जितनी अंग्रेजी में। भाषाई विविधता भारत की शक्ति है, परंतु डिजिटल प्रणालियों के लिए यह एक जटिल चुनौती भी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की आज की घोषणाएँ भारतीय न्यायपालिका के डिजिटल भविष्य की एक उज्ज्वल तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। 'वन केस वन डेटा' और 'सु सहाय' – ये दोनों पहलें मिलकर एक ऐसी न्यायिक व्यवस्था की नींव रखती हैं जो अधिक पारदर्शी, अधिक सुलभ और अधिक जवाबदेह होगी। जब न्याय आम नागरिक की भाषा में, उसकी स्क्रीन पर और उसकी मुट्ठी में होगा, तभी संविधान का वह स्वप्न साकार होगा जिसमें हर व्यक्ति को समान और शीघ्र न्याय मिलने का वादा किया गया है। आज का यह कदम उस स्वप्न को वास्तविकता के करीब ले जाने का एक सार्थक प्रयास है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल जो कर गईं, वह बेमिसाल

योगेश कुमार गोयल हि.स)

दया और सेवा की प्रति मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता माना जाता है। उनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उनकी जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके।

लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत में वर्ष 1973 में नर्सों के अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करती है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटैलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की। मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही उन्हें एहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवाकार्यों के लिए ही हुआ है।

हालांकि उस दौर में नर्सिंग को सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्किये की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार ने फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्किये भेजा। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी।

उन्होंने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से लेडी विद द लैंप कहने लगे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहीं।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सेवा कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया। उन्हें रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने सम्मानित किया। फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली।

दुनिया जानती है कि फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया। उनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। सहकर्मियों के व्यवहार को लेकर मन थोड़ा असहज रह सकता है। अपनी मानसिक परेशानियों को जीवनसाथी के साथ साझा करने से राहत मिलेगी। बुद्धिमान और अनुभवी लोगों के साथ चर्चा करने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: घर-परिवार में खुशी और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा। परिस्थितियाँ आपके नियंत्रण में रहेंगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। धार्मिक यात्रा या तीर्थ भ्रमण की योजना बन सकती है। नई योजनाओं और प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साह बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: व्यापार में धीरे-धीरे सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो सकते हैं। नया घर खरीदने या निर्माण कराने का विचार मन में आ सकता है। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। शाम के समय दोस्तों या परिवार के साथ घूमने-फिरने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: अपनी निजी बातें हर किसी के साथ साझा करने से बचें। आज आप आध्यात्मिक और गूढ़ विषयों को समझने का प्रयास करेंगे। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में केंद्रित रहेगा। परिवार के सदस्यों की सुविधाओं और जरूरतों का ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: व्यापार में बड़ा निवेश करने की योजना बन सकती है। खर्चों में कमी आने से मानसिक संतोष मिलेगा। समय आपके पक्ष में दिखाई दे रहा है, इसलिए महत्वपूर्ण कार्य पूरे करने का प्रयास करें। सम्मान और प्रतिष्ठा को लेकर सजग रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: नौकरी को लेकर कुछ असंतोष महसूस हो सकता है। रिश्तों के प्रति आप अधिक भावुक और संवेदनशील रहेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं की सराहना करेगा। पारिवारिक और वैवाहिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कार्यक्षेत्र में राजनीति या प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। घर में अचानक मेहमानों के आने से व्यस्तता बढ़ेगी। खानपान में संयम रखें और तामसिक भोजन से दूरी बनाएँ। काम के प्रति लापरवाही नुकसान पहुँचा सकती है। प्रेम संबंधों में जल्दबाजी में कोई वादा करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आप अपनी क्षमता और प्रतिभा का पूरा उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। थोड़ी देर शांत रहकर परिस्थितियों का विश्लेषण करें। प्रेम संबंधों में अनावश्यक शंका से बचना जरूरी होगा। आपके सुझाव दूसरों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज अधिकांश कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। जिम्मेदारी वाले कार्यों को प्राथमिकता देकर पूरा करें। शाम के समय जीवनसाथी के साथ हल्की नोकझोंक हो सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जुड़े अच्छे अवसर मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकर: कार्यस्थल पर आपके योगदान और मेहनत की प्रशंसा होगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट दिखाई देंगे। इंटरनेट या ऑनलाइन माध्यम से कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है। दांपत्य जीवन में प्रेम और समझ बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: दिन की शुरूआत उत्साह और प्रसन्नता के साथ होगी। बेवजह के विवादों से दूर रहना बेहतर रहेगा। दोपहर के बाद कार्यभार और व्यस्तता बढ़ सकती है, इसलिए जरूरी काम सुबह ही निपटा लें। अपने अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आर्थिक मामलों को लेकर मन में कुछ असंतोष बना रह सकता है। करीबी लोगों के व्यवहार से मन दुखी हो सकता है। शाम के समय पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। मौसम संबंधी बीमारियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। *(सिटी दर्पण)*

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरूआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इकट्ठा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन' के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।

जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान 'परिवर्तन' की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी। बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी। अप्रैल 2024 में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक भर्ती के तहत 25 हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों, ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया। इन नियुक्तियों को भर्ती प्रक्रिया के शुरूआती दौर से ही अवैध पाया गया था। इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाया गया और देश की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में इसे बरकरार रखा।

बंगाल के युवाओं को जीवन में एक मजबूत आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई स्कूली भर्ती की पूरी प्रक्रिया एक ऐसे अड्डे में तब्दील हो गई, जहां पदों को बेचा जा रहा था और वैध उम्मीदवार को भर्ती की कतार दिखाई ही नहीं दे रही थी। राशन घोटाला तो इस घोटाले से भी ऊपर था। इसमें एक और मौजूदा कैबिनेट मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक फंस गईं। इसके ऊपर मवेशी घोटाला, रिश्वतखोरी का धंधा और सिंडिकेट का राज था। मतदाता इन सभी गठजोड़ों को समझ गया। माफिया द्वारा संचालित राज्य में रिश्वत देने से इनकार करने वाला नागरिक सबसे पहले पीड़ित होता है।

इस रिकॉर्ड के सामने एक अलग ही तरह का रिकॉर्ड था। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ इक्कीस लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ। जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ नल-जल के कनेक्शन लगाए गए। जबकि, 2019 में यह आंकड़ा तीन करोड़ का था। आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग पचपन करोड़ लाभार्थियों को पांच लाख रुपये का वार्षिक कवरेज मिला। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बंगाल के हर कल्याणकारी कार्यक्रम में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। ये सभी काल्पनिक बातें नहीं हैं। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने इन्हीं बातों को आधार बनाकर वोट मांगा।

उस आधार के पीछे एक नेटवर्क खड़ा था। पार्टी के बूथ के स्तर के कार्यकर्ताओं, पन्ना प्रमुखों, और चुनावी चक्रों के दौरान धमकियों, डरा-धमकाने और शारीरिक हिंसा का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में मतदाताओं के पंजीकरण, परिवहन और मतदान कराने के उन गैर-आकर्षक कामों को पूरा किया जिन्हें अन्य पार्टियों ने छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ धमकियां, केन्द्रीय बलों के लौट जाने के बाद होने वाले हाल से जुड़ी घोषणाएं और चुनाव के बाद की हिंसा के पिछले दौरों में गई जानें, ये सब कार्यकर्ताओं के लिए हवाई बातें नहीं थीं। वे इन सब अनुभवों से गुजर चुके थे। माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह खुद बंगाल के विभिन्न जिलों में घूम-घूम कर देख रहे थे। कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों के भीतर पुराने कस्बे में दुबारा आते थे, क्योंकि वे जानते थे कि उनके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे थे, वह महज चुनावी उलटफेर भर नहीं था। यह एक गढ़ को ढहाने जैसा था।

इस अभूतपूर्व जीत का सिरमौर बने चेहरे खुद अपनी कहानी बयान करते हैं। आर.जी. कर हत्याकांड के पीड़िता की मां श्रीमती रत्ना देबनाथ, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया था, ने 15 साल से चले आ रहे तृणमूल के गढ़ को ध्वस्त करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। श्रीमती रेखा पात्रा, जिन्होंने संदेशखाली में अपनी ही धरती पर राज्य द्वारा ठुकराए गए अधिकार की मांग रखी और उसी मांग को लेकर हिंगलगंज में चुनाव लड़ा। कुल 30 वर्षों तक वामपंथ और 15 वर्षों से तृणमूल के गढ़ रहे जिलों के मतदाताओं ने पहली बार कमल के निशान को चुना। रविवार, 4 मई 2026 को बंगाल ने हिसाब चुकता कर दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने 293 सीटों में से 206 सीटें जीतीं। दो अलग-अलग दलों के 49 वर्षों के माफिया शासन का अंत हो गया। यह केवल एक चुनावी जनादेश भर नहीं, बल्कि एक नैतिक जनादेश भी था। जनता के इस निर्णायक फैसले पर पहले से ही सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत, 90 लाख अपात्र नाम हटा दिए गए। इन अपात्र नामों को 15 वर्षों से बनाए रखा गया था। अपात्र नामों को हटाने की कार्रवाई को हारने वाला पक्ष मतदाताओं का दमन बता रहा है। आंकड़े इस सवाल का जवाब देते हैं। जिन बीस निर्वाचन क्षेत्रों में संशोधन के दौरान सबसे अधिक नाम हटाए गए, उनमें से तृणूल कांग्रेस ने तेरह सीटें जीतीं। समसेरगंज, लालगोला, भगबानगोला, रघुनाथगंज और मेतियाबुरुज वैसे पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां सबसे अधिक नाम हटाए गए। इन सभी में 2021 और 2026 के दोनों चुनावों में तृणूल के विधायक चुने गए। जीत का अंतर पुनरीक्षण के दौरान हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम रहने वाले उनतालीस निर्वाचन क्षेत्रों में से, छब्बीस सीटें भारतीय जनता पार्टी, इक्कीस सीटें तृणूल कांग्रेस और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। लक्षित बहिष्करण से जीतने और हारने वाले दलों के बीच लगभग बराबर का बंटवारा नहीं होता। राज्य के इतिहास में सबसे अधिक 92.93 प्रतिशत मतदान ने इस सवाल का निपटारा कर दिया कि मतदाता सूची विश्वसनीय थी या नहीं। मतदाताओं के फैसले पर विवाद पैदा करके, पराजित दल केवल उस दादागिरी की ही पुष्टि कर रहा है जिसे मतदाताओं ने नकार दिया है। यह जनादेश मतदाताओं द्वारा किए जाए चयन के पीछे की बुद्धिमत्ता को भी साबित करता है।

बंगाल ने मतदान कर दिया है और वहां के लोगों ने अपना चुनाव कर लिया है। मतदाताओं की चाहत को समझना बहुत मुश्किल नहीं है। शांति और सड़कों पर पसरी हिंसा से मुक्ति। समृद्धि और उनके शहरों में रोजगारों की वापसी। स्थिरता और एक ऐसा प्रशासन, जो जीने देने के एवज में उनसे कोई रकम न ले। उस राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण, जिसने देश को पहला औद्योगिक क्षेत्र, उसकी वाणिज्यिक राजधानी और राष्ट्रीय प्रशासन के प्रारंभिक निमार्ता दिए। जिस कलकत्ता में मैंने काम किया, उसे फिर से हासिल किया जा सकता है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान फिर से देने के लिए बंगाल बिल्कुल तैयार है। पिछले दशक में लिए गए हर कल्याणकारी और अवसंरचना संबंधी निर्णय के पीछे एक ऐसा प्रधानमंत्री रहा है, जो नागरिक को सर्वोपरि मानता है। उस नागरिक के प्रति विश्वास बनाए रखने के फल को अब दर्ज किया जा चुका है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

संयम से समृद्धि: आत्मनिर्भर भारत का सामाजिक अनुबंध

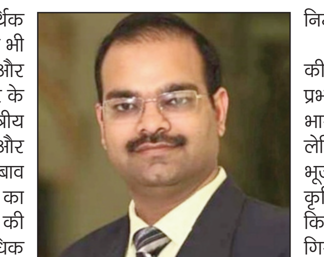

प्रोफेसर भारत

वैश्विक अस्थिरताओं के इस दौर में जब ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ, भू-राजनीतिक संघर्ष और आर्थिक संरक्षणवाद विश्व व्यवस्था को लगातार प्रभावित कर रहे हैं, तब भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल विकास दर बनाए रखने की नहीं, बल्कि एक ऐसी टिकाऊ और आत्मनिर्भर व्यवस्था विकसित करने की है जो भविष्य के संकटों का सामना करने में सक्षम हो। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई सात अपीलें महज नैतिक संदेश नहीं हैं, बल्कि वे भारत के आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक भविष्य की नई रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं। इन अपीलों का सार यही है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सरकार, सेना या अर्थव्यवस्था में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के अनुशासन, आत्मसंयम और सामूहिक चेतना में निहित होती है।

दरअसल, आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था ने उपभोग को विकास का पर्याय बना दिया है। जितना अधिक उपभोग, उतनी अधिक आर्थिक सक्रियता, यह धारणा पिछले कई दशकों से वैश्विक नीति-निर्माण का आधार रही है। लेकिन कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और ऊर्जा संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि अत्यधिक उपभोग आधारित समाज संकटों के समय सबसे अधिक असुरक्षित सिद्ध होते हैं। भारत जैसे विशाल और आयात-निर्भर देश के लिए यह चुनौती और अधिक गंभीर है। इसलिए आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल 'मेक इन इंडिया' तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि यह एक ऐसी सामाजिक संस्कृति विकसित करने का प्रश्न बन जाता है जिसमें संयमित उपभोग, बचत और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को राष्ट्रीय कर्तव्य माना जाए।

प्रधानमंत्री की 'घर से काम' की अपील को यदि व्यापक आर्थिक दृष्टि से देखा जाए, तो यह भारत के शहरी विकास मॉडल में संरचनात्मक परिवर्तन की संभावना उत्पन्न करती है। पिछले दो दशकों में भारतीय महानगर अत्यधिक केंद्रीकृत रोजगार व्यवस्था के आधार पर विकसित हुए हैं। इसका परिणाम बढ़ते यातायात, प्रदूषण, ऊर्जा खपत, आवास संकट और मानसिक तनाव के रूप में सामने आया। यदि डिजिटल कार्य संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जाता है, तो इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों का विकेंद्रीकरण भी संभव होगा। छोटे शहरों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, क्षेत्रीय असमानताएँ कम होंगी और महानगरों पर बढ़ता दबाव घटेगा। यह केवल कार्यशैली का बदलाव नहीं, बल्कि भारत की विकास संरचना को अधिक संतुलित और समावेशी बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम हो सकता है।

इसी प्रकार ईंधन की खपत कम करने और सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील का महत्व केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल से पूरा करता है। वैश्विक तेल कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी देश की महँगाई, चालू खाते के घाटे और राजकोषीय संतुलन पर सीधा प्रभाव डालती है। ऐसे में यदि नागरिक स्तर पर ऊर्जा संरक्षण की संस्कृति विकसित होती है, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत बचत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता को भी मजबूत करेगा। विकसित देशों के अनुभव बताते हैं कि टिकाऊ अर्थव्यवस्था केवल तकनीकी नवाचार से नहीं बनती, बल्कि नागरिक व्यवहार में परिवर्तन से निर्मित होती है। भारत के लिए यह परिवर्तन इसलिए और अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ ऊर्जा मांग लगातार बढ़ रही है।

खाद्य तेल की खपत कम करने की अपील भी साधारण घरेलू सलाह नहीं है। भारत विश्व के सबसे बड़े खाद्य तेल आयातकों में शामिल है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। लेकिन इसका दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा है। आज भारत मधुमेह, मोटापा और हृदय रोग जैसी जीवनशैली-जनित बीमारियों की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। यदि संयमित उपभोग की संस्कृति विकसित होती है, तो उसका प्रभाव स्वास्थ्य व्यय, श्रम उत्पादकता और मानव संसाधन की गुणवत्ता पर दिखाई देगा। अर्थात यह अपील आर्थिक बचत के साथ-साथ मानव पूंजी निर्माण से भी जुड़ी हुई है।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की अपील संभवतः सबसे दूरगामी प्रभाव वाली है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की, लेकिन रासायनिक उर्वरकों और भूजल के अत्यधिक उपयोग ने कृषि व्यवस्था को असंतुलित भी किया। मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जल संकट और किसानों की बढ़ती लागत अब इस मॉडल की सीमाओं को उजागर कर रही हैं। यदि भारत टिकाऊ कृषि मॉडल की ओर बढ़ता है, तो यह केवल पर्यावरणीय सुधार नहीं होगा, बल्कि कृषि अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। प्राकृतिक खेती वास्तव में आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों के संरक्षण का प्रश्न है। यही वह बिंदु है जहाँ आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं।

स्वदेशी अपनाने की अपील को भी केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद के दायरे में सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। कोविड महामारी और वैश्विक तनावों ने यह सिद्ध कर दिया कि अत्यधिक विदेशी निर्भरता किसी भी देश की रणनीतिक क्षमता को कमजोर कर सकती है। आज तकनीकी आत्मनिर्भरता और आर्थिक शक्ति सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ चुकी हैं। यदि भारत स्थानीय उद्योगों, स्टार्ट-अप्स और विनिर्माण क्षमता को मजबूत करता है, तो वह न केवल रोजगार सृजन करेगा, बल्कि तकनीकी आत्मविश्वास भी विकसित करेगा। आत्मनिर्भरता अंततः आर्थिक स्वतंत्रता के साथ-साथ मानसिक स्वतंत्रता का भी आधार बनती है।

विदेश यात्राओं और सोने की खरीद सीमित करने की अपील भारतीय समाज की उपभोग संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्न उठाती है। लंबे समय से भारतीय मध्यवर्ग में सामाजिक प्रतिष्ठा का संबंध प्रदर्शनात्मक उपभोग से जोड़ा जाता रहा है। लेकिन अत्यधिक उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था बचत और उत्पादक निवेश दोनों को कमजोर करती है। यदि समाज विवेकपूर्ण उपभोग और दीर्घकालिक निवेश की दिशा में आगे बढ़ता है, तो इससे पूंजी निर्माण की प्रक्रिया मजबूत होगी। किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह अत्यंत आवश्यक है क्योंकि स्थायी विकास केवल उपभोग से नहीं, बल्कि निवेश और उत्पादक क्षमता से निर्मित होता है।

इन सात अपीलों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे विकास की अवधारणा को सरकारी योजनाओं से निकालकर नागरिक जिम्मेदारी से जोड़ती हैं। अब तक भारत में विकास को मुख्यतः राज्य की भूमिका से देखा जाता रहा है, लेकिन इक्कीसवीं सदी की चुनौतियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल नीतियाँ पर्याप्त नहीं होंगी। ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, स्वास्थ्य, पर्यावरण और घरेलू उद्योगों के प्रति नागरिक व्यवहार ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की वास्तविक दिशा तय करेंगे। अर्थात विकास अब केवल सरकार की परियोजना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी का विषय बन चुका है।

हालाँकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि सरकार इन अपीलों के अनुरूप ठोस संस्थागत और नीतिगत ढाँचा तैयार करे। बेहतर सार्वजनिक परिवहन, मजबूत डिजिटल अवसंरचना, किसानों के लिए बाजार और तकनीकी सहायता, तथा घरेलू उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धी वातावरण के बिना केवल नैतिक अपीलें स्थायी परिणाम नहीं दे सकतीं। नागरिक अनुशासन और सरकारी नीति दोनों के समन्वय से ही आत्मनिर्भरता व्यवहारिक रूप ले सकती है।

वास्तव में प्रधानमंत्री की ये सात अपीलें केवल आर्थिक सुधार का कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि वे विकास के उस वैकल्पिक भारतीय मॉडल की ओर संकेत करती हैं जिसमें संयमित उपभोग, पर्यावरणीय संतुलन, संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रीय हित को व्यक्तिगत सुविधा से ऊपर रखने की मानसिकता केंद्रीय भूमिका निभाती है। यदि यह सोच भारत की सामाजिक संस्कृति का स्थायी हिस्सा बन जाती है, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान आर्थिक चुनौतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले दशकों में भारत की वैश्विक स्थिति, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास को भी निर्णायक रूप से प्रभावित करेगा।

(लेखक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में कानून के वरिष्ठ प्रवक्ता हैं।)

पंजाब में 08 नगर निगमों, 76 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों के सदस्यों के चुनाव हेतु आम चुनाव 26 मई को होंगे : राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी

आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू : राज कमल चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

स्थानीय निकाय विभाग द्वारा पंजाब नगर निगम एक्ट, 1976 की धारा 7ए तथा पंजाब नगर निगम चुनाव एक्ट, 1911 की धारा 13-ए के अंतर्गत जारी अधिसूचना संख्या 03/01/ए'ीउ्ङ्कल्लर (र-2)/टएइ/2026/75 और अधिसूचना संख्या 03/01/ए'ीउ्ङ्कल्लर (र-2)/टएइ/2026/76 दिनांक 11-05-2026 के अनुसार राज्य चुनाव आयोग द्वारा राज्य में 8 नगर निगमों, 76 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों (कुल 105) के सदस्यों के चुनाव हेतु आम चुनाव करवाने के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है।

चुनाव कार्यक्रम के अनुसार इन चुनावों के लिए उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 13.05.2026 (बुधवार) को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शुरू होगी तथा नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16.05.2026 (शनिवार) होगी। ये नामांकन इस उद्देश्य के लिए नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18.05.2026 (सोमवार) को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 19.05.2026 (मंगलवार) दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है।

सभी नामांकन पत्रों के साथ शपथ पत्र संलग्न होना अनिवार्य होगा तथा यदि किसी उम्मीदवार को किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रायोजित किया गया है तो संबंधित राजनीतिक दल का प्राधिकरण पत्र भी साथ देना होगा। उम्मीदवारों के केवाईसी विवरण जिलों की वेबसाइटों पर अपलोड किए जाएंगे।

चुनाव 26.05.2026 (मंगलवार) को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक करवाए जाएंगे। मतदान के बाद मतों की गिनती 29.05.2026 (शुक्रवार) को स्थापित मतगणना केंद्रों में की जाएगी।

पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 36,72,932 है, जिनमें 18,98,990 पुरुष, 17,73,716 महिलाएं और 226 अन्य मतदाता शामिल हैं।

इन चुनावों के लिए जिलों में 3977 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

नगर निगम के पद हेतु चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के लिए आयोग द्वारा निर्धारित खर्च सीमा 4,00,000 रुपये है, जबकि नगर परिषद वर्ग-कके लिए 3,60,000 रुपये, वर्ग-क्क के लिए 2,30,000 रुपये, वर्ग-क्क्कके लिए 2,00,000 रुपये तथा नगर पंचायत के लिए 1,40,000 रुपये निर्धारित किए गए हैं।

चुनाव ड्यूटी पर लगभग 36,000 चुनाव कर्मचारी तथा 35,500 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। प्रत्येक जिले में आईएएस/पीसीएस अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा ताकि निष्पक्ष निगरानी सुनिश्चित की जा सके। जिला मजिस्ट्रेट की समग्र निगरानी में जिला सुरक्षा योजना तैयार की गई है।

आयोग द्वारा चुनावों को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के उन क्षेत्रों में जहां चुनाव होने जा रहे हैं, आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। यह आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक लागू रहेगी।

नाईपर में आईटेक कार्यक्रम 2026 ग्लोबल साउथ में चिकित्सा उपकरण नीतियों को सशक्त बनाने का शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), मोहाली के मेडिकल डिवाइसेज विभाग द्वारा भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत ग्लोबल साउथ में मेडिकल डिवाइस नीतियों को सशक्त बनाना विषय पर दो सप्ताह का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 22 मई 2026 तक नाईपर, मोहाली, पंजाब के कन्वेंशन सेंटर में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रातः 10:30 बजे प्रो. दुलाल पांडा, निदेशक, नाईपर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों, संकाय सदस्यों, आमंत्रित विशेषज्ञों एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्रो. पांडा ने विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि आईटेक कार्यक्रम भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक क्षमता निर्माण तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि भारत की ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न की भावना ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों की मूल आधारशिला है।

प्रो. पांडा ने बताया कि पिछले पाँच दशकों में भारत ने विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से 2,25,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने मेडिकल डिवाइसेज के व्यापक क्षेत्र, वैश्विक नियामक ढांचे तथा नीति तंत्रों के विकसित होते स्वरूप पर भी जानकारी दी। प्रो. इंदर पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 1964 में आईटेक कार्यक्रम की स्थापना के बाद यह पहला समर्पित मेडिकल डिवाइस पाठ्यक्रम है, जिसे नाईपर, मोहाली द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इसे संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

इससे पूर्व प्रो. तरुण शर्मा ने 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसके बहुविषयक स्वरूप की जानकारी दी। उद्घाटन दिवस पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मंडी के विशेषज्ञों द्वारा स्टेम सेल्स एवं बायोमटेरियल्स जैसे उभरते क्षेत्रों पर व्याख्यान दिए गए। इस पहल के अंतर्गत 25 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित शोधकर्ताओं, नीति निमार्ताओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों तथा उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया है, जहां मेडिकल डिवाइसेज के क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों, नियामक ढांचे, विनिर्माण प्रक्रियाओं, ट्रांसलेशनल रिसर्च, इनोवेशन इकोसिस्टम तथा नीतिगत हस्तक्षेपों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

यह कार्यक्रम नवाचार-आधारित स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को सुदृढ़ करने तथा विकासशील देशों में सुलभ, किफायती एवं मेडिकल डिवाइस पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

10वीं कक्षा के नतीजों में ग्रामीण विद्यार्थियों ने शहरी छात्रों को पछाड़ा; जैतो की हरलीन ने 99.38% अंकों के साथ पूरे पंजाब में किया टॉप: हरजोत सिंह बैंस

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- 2.54 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा की पास, पास प्रतिशत 94.52% रहा: बैंस
- शिक्षा मंत्री ने सफल विद्यार्थियों को दी दिल से बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए शिक्षा सुधारों के चलते पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आज घोषित 10वीं कक्षा के परिणामों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने शहरी स्कूलों के छात्रों को पीछे छोड़ दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पास प्रतिशत 95.35% दर्ज किया गया, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 92.98% रहा।

यहां विवरण साझा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने इस परिणाम की सराहना करते हुए इसे जमीनी स्तर पर ह्यशिक्षा क्रांतिह्न के प्रभावी रूप से लागू होने का प्रमाण बताया। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जैतो (फरीदकोट) की छात्रा हरलीन शर्मा ने 650 में से 646 अंक (99.38%) प्राप्त कर पूरे पंजाब में पहला स्थान हासिल किया। कड़े मुकाबले में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चनौली बसी (रूपनगर) के मनीमहेष शर्मा ने 650 में से 645 अंक (99.23%) हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। श्री गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल, चीफ खालसा दीवान, मॉडल टाउन, होशियारपुर की रिया रानी ने 650 में से 645 अंक (99.23%) प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।

स हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 2,69,505 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 2,54,744 विद्यार्थी सफल घोषित हुए हैं। इस प्रकार कुल पास प्रतिशत 94.52% रहा। ग्रामीण विद्यार्थियों ने शहरी विद्यार्थियों को पीछे छोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन किया। ग्रामीण क्षेत्रों से 1,74,958 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 1,66,830 विद्यार्थी पास हुए और उनकी पास दर 95.35% रही। वहीं शहरी क्षेत्रों से 94,547 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 87,914 विद्यार्थी पास हुए, जिससे उनकी पास दर 92.98% दर्ज की गई।

सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए स बैंस ने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की पास दर में 2.3 प्रतिशत अंकों का अंतर पिछले वर्षों के रुझानों की तुलना में एक ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि पहले अक्सर शहरी स्कूल ही आगे रहते थे। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय शिक्षा के बुनियादी ढांचे में किए गए निवेश और अध्यापकों को दी जा रही नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था को दिया।

उन्होंने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का रिपोर्ट कार्ड नहीं है, बल्कि उस सरकार का भी रिपोर्ट कार्ड है जो विशेषाधिकार के बजाय समान अवसर प्रदान करने में विश्वास रखती है।

गैंगस्टरों ते वार का 111वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 484 स्थानों पर छापेमारी, 238 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे निर्णायक अभियान ह्यगैंगस्टरों ते वारह्न के 111वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 484 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक विशेष अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 111वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार सहित 238 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 28,336 हो गई है। इसके अलावा, 68 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 25 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 3 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी साझा कर सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी दे सकते हैं।

इस दौरान पंजाब पुलिस ने नशों के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध नशों विरुद्ध अभियान के 436वें दिन 105 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.3 किलोग्राम हेरोइन, 80 किलोग्राम भुक्की, 476 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 1300 रुपये ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही पिछले 436 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 63,551 तक पहुंच गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 9 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ एवं पुनर्वास उपचार के लिए भी प्रेरित किया।

संक्षिप्त-समाचार

24 साल के चंडीगढ़ के उद्यमी ने एआई से रियल एस्टेट में एक नई क्रांति की शुरूआत की

चंडीगढ़। जहां एक ओर वैश्विक रियल एस्टेट सेक्टर अभी भी ब्रोकर्स, बिचौलियों और बेचने के पारंपरिक तरीकों पर बहुत ज्यादा निर्भर है, वहीं चंडीगढ़ राजधानी क्षेत्र से जुड़े 24 साल के एक आंत्रप्रेन्योर, आगमन भाटिया ने अपने प्रॉपटेक स्टार्टअप डोरिट के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और इमर्सिव टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके रियल एस्टेट को सीधे ग्राहकों के दरवाजे तक पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। फिलहाल, दुनिया की सबसे बड़ी एआई कंपनियां - जैसे प्रॉपलेक्सिटी एआई, गूगल जैमिनी, ओपनएआई और एंथोरॉपिक- मुख्य रूप से आईटी, हेल्थकेयर और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में रेवोल्यूशन लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं; लेकिन आगमन दुनिया के सबसे ज्यादा असंगठित सेक्टर्स में से एक - रियल एस्टेट - में समाधान पेश कर रहे हैं। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि यह वैश्विक रियल एस्टेट के भविष्य को नए सिरे से नया आकार दे सकता है, ठीक वैसे ही जैसे फिनटेक ने बैंकिंग को और ई-कॉमर्स ने रिटेल बिजनेस को बदल दिया था। आगमन भाटिया, को-फाउंडर और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर (सीपीओ), डोरिट और केएस भाटिया, को-फाउंडर और सीईओ, डोरिट ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने विस्तार के एक नए फेज और टेक्निकल डेवलपमेंट की घोषणा करने के साथ-साथ यह जानकारी भी साझा की कि डोरिट किस तरह रियल एस्टेट क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। गौरतलब है कि आगमन भाटिया, के.एस. भाटिया के बेटे हैं। के.एस. भाटिया चंडीगढ़ कैपिटल रीजन के एक ऐसे सफल उद्यमी हैं, जिन्होंने एक दशक पहले 'पम्पकार्ट' के जरिए पम्प इंडस्ट्री में क्रांति ला दी थी। आगमन और के एस भाटिया ने डोरिट के एक्सपीरियंस सेंटर्स के विस्तार को लेकर भी एक महत्वपूर्ण घोषणा की।

एचपी ने भारत में पेश किए 20 से ज्यादा प्रोडक्ट्स एवं सॉल्यूशंस

चंडीगढ़। एचपी इंडिया ने भारत में टेक्नोलॉजी की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पर्सनल सिस्टम, प्रिंट एवं वर्कफोर्स सॉल्यूशंस से जुड़े 20 से ज्यादा नए प्रोडक्ट्स एवं सॉल्यूशंस पेश किए। इनमें छात्रों एवं क्रिएटर्स से लेकर प्रोफेशनल्स एवं एंटरप्राइजेज तक की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है। इस पोर्टफोलिया के साथ ही एचपी ने इंडिया-फर्स्ट ओमनीपैड 12 के माध्यम से नई कैटेगरी में भी कदम रखा है। इसकी मदद से छात्रों और फर्स्ट टाइम यूजर्स को पीसी जैसी प्रोडक्टिविटी के साथ टेबलेट की फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी। इसी तरह एचपी इलाइटबोर्ड जी1ए नेक्स्ट जेन एआई पीसी दुनिया का पहला एवं एकमात्र एआई कीबोर्ड पीसी है, जिसे मॉडर्न वर्कप्लेस के लिए ज्यादा पावरफुल, पोर्टेबल एवं आसान कंप्यूटिंग के लिए बनाया गया है। एचपी इंडिया, श्रीलंका एंड बांग्लादेश की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर इप्सिता दासगुप्ता ने कहा, ह्यभारत के विकास के सफर में टेक्नोलॉजी इस बात का जरूरी एवं आंतरिक हिस्सा बनकर सामने आई है कि लोग कैसे सीखेंगे, कमाएंगे और क्रिएट करेंगे। अगर आप देश में टेक्नोलॉजी एडॉप्शन को देखें तो यह इसे प्रभावी तरीके से प्रयोग करने के लिए आत्मविश्वास एवं कौशल देने से जुड़ा मामला है। फिर बात चाहे पढ़ने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रहे छात्र की बात हो, ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे कारोबारी की बात हो या काम के बदलते माहौल में ढलने की कोशिश कर रहे किसी कर्मचारी की बात हो। एडॉप्शन के इस सफर में हमारा फोकस ऐसी टेक्नोलॉजी प्रदान करते हुए सार्थक भूमिका निभाना है, जिससे रोजाना के विकास एवं विश्वास को सपोर्ट किया जा सके।

गोपाल मूर्ति फाउंडेशन ने फतेहपुर स्कूल में बच्चों को बांटी स्टेशनरी सामग्री

चंडीगढ़/पंचकूला। सेक्टर-20 स्थित फतेहपुर स्कूल में सोमवार गोपाल मूर्ति फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों के लिए स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई में काम आने वाली विभिन्न स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई, जिनमें पेंसिल, नोटबुक, ड्रॉइंग फाइलें, रंग, शार्पनर और इरेजर शामिल रहे। बच्चों ने खुशी के साथ यह सामग्री प्राप्त की और फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रशासन ने भी इस पहल को बच्चों के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस अवसर पर सारिका तिवारी विशेष रूप से मौजूद रहीं। उनके साथ पुर्नूर वशिष्ठ ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और बच्चों के बीच स्टेशनरी सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का समस्त महिला स्टाफ उपस्थित रहा तथा सभी ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सारिका तिवारी ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और समाज का दायित्व बनता है कि वह बच्चों को बेहतर भविष्य देने में अपना सहयोग दे।

'ऑल इंडिया मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2026' सफलतापूर्वक संपन्न

चंडीगढ़। 'स्पीडी अर्थलिंग्ज स्पोट्र्स क्लब' द्वारा आयोजित चौथी 'ऑल इंडिया मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2026' मोहाली के सेक्टर 78 स्थित स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। पूरे भारत से 1100 से अधिक स्केटर्स ने विभिन्न आयु वर्गों में 9 रोलर स्केटिंग स्पधार्ओं में भाग लिया, जिससे यह इस क्षेत्र की सबसे बड़ी स्केटिंग चैंपियनशिप में से एक बन गई। इस आयोजन में खिलाड़ियों, कोचों, अभिभावकों और समर्थकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे पूरे टूनार्मेंट के दौरान एक जोशीला खेलमय माहौल बना रहा। इस उत्सव में चार चांद लगाते हुए, ग्रुप चैंपियनों को 15 साइकिलें पुरस्कार स्वरूप दी गईं; साथ ही, 2025-26 सीजन के दौरान अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। 'स्पीडी अर्थलिंग्ज स्पोट्र्स' के प्रबंधन ने इस चैंपियनशिप को भव्य रूप से सफल बनाने में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए सभी अभिभावकों, स्केटर्स, कोचों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, और अगले वर्ष इसके 5वें संस्करण को और भी अधिक विशाल और बेहतर बनाने का वादा किया।

डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी द्वारा गांव मोरांवाली में सड़क का उद्घाटन, विकास कार्यों को मिली नई रफ्तार

चंडीगढ़/गढ़शंकर। हल्का गढ़शंकर के गांव मोरांवाली में आज पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर सरदार जय कृष्ण सिंह रौड़ी की अगुवाई में विकास कार्यों को और मजबूती मिली, जब उन्होंने गांव में बनने वाली नई सड़क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गांववासियों और क्षेत्र निवासियों ने डिप्टी स्पीकर रौड़ी का स्वागत किया और गांव के विकास के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उद्घाटन मौके पर सभा को संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर स. जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गांवों में सड़कों, गलियों, पीने के पानी, सीवरेज, खेल मैदानों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए लगातार

फंड जारी किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को शहरों जैसी सुविधाएं गांवों में ही मिल सकें। डिप्टी स्पीकर रौड़ी ने कहा कि गांव मोरांवाली में बनने वाली यह सड़क लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस सड़क के बनने से आवागमन सुगम होगा और लोगों को कई समस्याओं से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में गांववासियों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था और लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है। स.रौड़ी ने कहा कि वह हल्का गढ़शंकर के हर गांव के विकास के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। डिप्टी स्पीकर रौड़ी ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार जनकल्याणकारी नीतियों को प्राथमिकता दे रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी तथा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों की सरकार होने के नाते हर वर्ग के कल्याण को सुनिश्चित किया जा रहा है।

राज्यपाल ने चंडीगढ़ में नि:शुल्क इंटीग्रेटेड फिटमेंट कैंप का उद्घाटन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क इंटीग्रेटेड असेसमेंट-कम-फिटमेंट कैंप का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एवं प्रशासक की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री सत्य पाल जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

11 से 13 मई तक सेक्टर-19 बी स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित इस शिविर में पात्र लाभार्थियों को एक ही स्थान पर जांच, माप एवं फिटमेंट सेवाओं के माध्यम से निःशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पीजीआईएमईआर, जीएमसीएच-32 एवं जीएमएसएच-16 के चिकित्सकों ने भी शिविर का निरीक्षण किया। शिविर के पहले दिन विभिन्न राज्यों से 40 से अधिक दिव्यांगजन पंजीकृत हुए।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न एवं सक्षम हिस्सा हैं और उन्हें केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सम्मान, समान अवसर और सुगम वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने वर्ष 1975 में श्री डी.आर. मेहता द्वारा स्थापित विश्व प्रसिद्ध ह्यजयपुर फुटह्न पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्था 25 लाख से अधिक दिव्यांगजनों का पुनर्वास कर चुकी है तथा अपनी मानवीय सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद से ह्यस्पेशल कंसल्टेटिव स्टेटसह्न प्राप्त कर चुकी है।

भारत की सेवा और त्याग की परंपरा का उल्लेख करते हुए श्री कटारिया ने मानवता और मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान को याद किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित ह्यसुगम्य भारत अभियानह्न, एडिप योजना, यूनिक डिसएबिलिटी आईडी परियोजना तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक 32 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा चुके हैं। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के सचिव एवं टऊडॉ. दीपेंद्र मेहता ने कहा कि दिव्यांगजनों के शारीरिक पुनर्वास के साथ-साथ आर्थिक पुनर्वास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर ही दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव सुश्री अनुराधा एस. चगती तथा निदेशक सुश्री राधिका सिंह भी उपस्थित थीं।

प्योर प्लैनेट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2026 पंजाब को दिलाएगा वैश्विक पहचान

गुरु नानक ग्लोबल फाउंडेशन और खालसा कॉलेज अमृतसर के बीच वैश्विक सतत विकास सम्मेलन के लिए साझेदारी

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

गुरु नानक ग्लोबल फाउंडेशन (भारत) और खालसा कॉलेज अमृतसर के बीच प्योर प्लैनेट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस दो हजार छब्बीस के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। इस संबंध में जानकारी यहां मोहाली में मीडिया से बातचीत करते हुए गुरु नानक ग्लोबल फाउंडेशन के चेयरमैन तथा गुरु नानक देव ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चांसलर बलजीत सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत खालसा कॉलेज अमृतसर को अमृतसर अध्याय के लिए आधिकारिक मेजबान संस्था चुना गया है। यह वैश्विक सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने तथा युवाओं को सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।खालसा कॉलेज परिसर में यह विशेष सम्मेलन नौ दिसंबर, दो हजार छब्बीस को पीपल पावर झ्र हीरोज राइजिंग विषय के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, सामाजिक असमानताओं को समाप्त करने तथा मानव सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चा की जाएगी।

यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन पांच दिसंबर से तेरह दिसंबर, दो हजार छब्बीस तक पंजाब के विभिन्न शहरों में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में विश्वस्तरीय शिक्षाविदों, शोधकताओं, नीति निमार्ताओं, सामाजिक नेताओं, प्रसिद्ध हस्तियों, कलाकारों और युवाओं की भागीदारी होगी। सम्मेलन में पांच हजार से अधिक प्रतिभागियों के प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने के साथ-साथ डिजिटल प्रसारण के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों के जुड़ने की भी संभावना जताई गई है।सम्मेलन के दौरान सतत विकास से संबंधित शैक्षणिक व्याख्यान, विद्यार्थियों द्वारा शोध प्रस्तुतियां, विशेष परिचचाएं, अंतरराष्ट्रीय नेताओं के संबोधन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए सीधा प्रसारण किया जाएगा। गुरु नानक ग्लोबल फाउंडेशन इस सम्मेलन का मुख्य आयोजक होगा, जबकि खालसा कॉलेज द्वारा सभागार सुविधाएं, स्थानीय प्रबंधन, स्वयंसेवक दल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सहयोग प्रदान किया जाएगा।बलजीत सिंह ने कहा कि पंजाब सदैव साहस, संस्कृति, आध्यात्मिकता और सेवा की धरती रहा है। उन्होंने कहा कि प्योर प्लैनेट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस दो हजार छब्बीस के माध्यम से युवाओं, शिक्षण संस्थानों, शोधकताओं और विश्व नेताओं को एक साझा मंच पर लाकर मानवता के सामने खड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संवाद शुरू किया जाएगा। उन्होंने खालसा कॉलेज अमृतसर के साथ इस साझेदारी को गर्व का विषय बताया।

खालसा कॉलेज अमृतसर के प्रिंसिपल डॉ. आत्म सिंह रंधावा ने कहा कि खालसा कॉलेज हमेशा ऐसी शिक्षा को बढ़ावा देता आया है जो समाज और मानवता की भलाई से जुड़ी हो। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक सतत विकास सम्मेलन की मेजबानी करना संस्था के शैक्षणिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना के लिए प्रेरित करेगी।दोनों संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता जताई है।इसके तहत कचरा कम करने, ऊर्जा संरक्षण, हरित परिसर तथा पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। यह साझेदारी पंजाब को सतत विकास, युवा नेतृत्व, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक अकादमिक संवाद का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ई-बिडिंग सॉफ्टवेयर हैक कर टेंडर हथियाने का मामला

नेपाल के पूर्व मंत्री विक्रम पाण्डे समेत 22 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल पुलिस के साइबर ब्यूरो ने सोमवार बिजली विभाग के ई-बिडिंग सॉफ्टवेयर को हैक कर टेंडर हथियाने के आरोप में पूर्व शहरी विकासमंत्री विक्रम पाण्डे सहित २२ के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। काठमांडू के जिला सरकारी वकील कार्यालय के अनुसार, इनमें 13 आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। नौ अभी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपितों में पूर्वमंत्री पाण्डे भी शामिल हैं। पाण्डे व अन्य का सोमवार से काठमांडू जिला अदालत में बयान दर्ज किया जाएगा। बयान दर्ज होने के बाद न्यायिक हिरासत पर बहस शुरू होगी।

पुलिस का दावा है कि आरोपितों ने बिटकॉइन जैसी मुद्रा का कारोबार भी किया गया। आरोप पत्र में मांग की गई है कि संगठित तरीके से बिटक्वॉइन मुद्रा के कारोबार में संलग्न रहने के आरोप में भी आरोपितों को सजा दी जाए। पाण्डे चितवन के भरतपुर के रहने वाले हैं। वह राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) से सांसद रहे हैं। उनकी कालिका कंस्ट्रक्शन निर्माण कम्पनी भी है। जांच के निष्कर्ष के अनुसार आरोपितों ने अनधिकृत पहुंच बनाकर आर्थिक प्रस्ताव से जुड़े दस्तावेजों में फेरबदल किया। एक आरोपित दिवाकर देउजा के पॉलीग्राफ परीक्षण समेत विभिन्न प्रमाणों के आधार पर पाण्डे की संलिप्तता की पुष्टि होने का दावा किया गया है।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था और मानव विकास पर संकट के बादल: रिपोर्ट

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है। यूएनडीपी की मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्टः ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रॉस एशिया एंड द पैसिफिक शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फॉस्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, नेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। करीब 80 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक खाड़ी देशों और मलेशिया जाते हैं। यदि व्यवधान जारी रहा, तो श्रमिक आवाजाही में कमी आने से रेमिटेंस पर निर्भर परिवारों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं। यूएनडीपी के विश्लेषण के अनुसार, रेमिटेंस और कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कम होगी, जिससे एचडीआई के आय संबंधी सूचक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों पर भी असर पड़ेगा। रिपोर्ट में 2013 से 2023 के बीच मानव विकास में हुई प्रगति को आधार बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि बाहरी झटकों से निपटने के लिए मजबूत नीतिगत व्यवस्था की कमी के कारण खाड़ी संघर्ष का असर दक्षिण एशिया में अधिक होगा, जबकि पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया तुलनात्मक रूप से कम प्रभावित होंगे। अर्थशास्त्री पुष्कर बज्राचार्य के अनुसार, संघर्ष लंबा चलने पर मुद्रास्फीति, आर्थिक वृद्धि, व्यापार और पर्यटन प्रभावित होंगे तथा परिवारों की उपभोग क्षमता घटेगी। उन्होंने कहा, आर्थिक वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत तक गिर सकती है, जो नेपाल के पिछले 70 वर्षों की औसत 4 प्रतिशत वृद्धि दर से कम है। उन्होंने अगले दो वर्षों तक आर्थिक वृद्धि धीमी रहने और गरीबी बढ़ने की चेतावनी भी दी। बज्राचार्य ने कहा, जनसंख्या का बड़ा हिस्सा पहले से ही गरीबी रेखा के नीचे है। एक बड़ा झटका और अधिक लोगों को गरीबी में धकेल सकता है। उनके अनुसार, यदि संघर्ष लंबा चला तो 25 से 33 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे पहुंच सकती है।

काठमांडू हवाई अड्डे पर टर्किश विमान में लैंडिंग के दौरान आग लगी

- सभी यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह टर्किश एयरलाइंस के एक विमान में लैंडिंग के दौरान आग लग गई, जिसे दमकल विभाग ने नियंत्रित कर लिया गया। यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कोई हताहत नहीं हुआ। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल ने इसकी पुष्टि की। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सूचना अधिकारी भुल के अनुसार, यात्रियों को आपातकालीन दरवाजा खोलकर बाहर निकाला गया। विमान में चार बच्चों सहित कुल 277 यात्री सवार थे। बचाव के दौरान कुछ यात्रियों को सामान्य चोटें आई हैं। इस्तांबुल से काठमांडू आए टीके 726 विमान के पहियों में सोमवार सुबह करीब पौने सात बजे लैंडिंग के दौरान आग लग गई थी। विमान के रनवे पर ही रुक जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का आवागमन प्रभावित हुआ है। इस समय दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की एआई 215 और शारजाह से आ रही जी9 536 काठमांडू के आसमान में ही होल्ड किया गया। भूटान के पारो से आ रही ड्रुक एयर, दुबई से आ रही फ्लाई दुबई, क्वालालंपुर और ग्वांझाओ से आ रहे नेपाल एयरलाइंस के विमान को भी होल्ड पर रखा गया है।

काठमांडू हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन शुरू

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रनवे से टर्किश एयर के विमान को हटाने के बाद विमानों की उड़ान और लैंडिंग फिर से शुरू हो गई है। टर्किश के विमान में लैंडिंग के समय आग लग जाने से यह हवाई अड्डा करीब दो घंटे बंद रहा। विमानस्थल कार्यालय के अधिकारी छवि ठकुल्ला ने कहा कि सुबह 9 बजे से विमानस्थल फिर से संचालन में आ गया है। डायवर्ट किए गए विमान अब दोबारा लैंडिंग की प्रक्रिया में हैं। काठमांडू एयरपोर्ट बंद होने के दौरान वाराणसी से आ रहे बुद्धा एयर के विमान को सिमरा एयरपोर्ट, श्री एयरलाइंस के विमान को विराटनगर, एयर इंडिया के विमान को दिल्ली और फ्लाई दुबई के विमान को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। खबर लिखे जाने तक दिल्ली से आए एयर इंडिया, शारजाह से आए एयर अरेबिया, दोहा से आए कतर एयर, दुबई से आए फ्लाई दुबई और मलेशिया से नेपाल एयरलाइंस के विमान का अवतरण हो चुका है। हांगकांग से आ रहेहिमालय एयरलाइंस का विमान अभी लैंडिंग की तैयारी में है।रनवे बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डे से उड़ान नहीं भर पाने वाले एयर इंडिया (दिल्ली), हिमालय एयरलाइंस (ल्हासा), जजीरा एयर (कुवैत), एयर एरेबिया (शारजाह), बुद्ध एयर (वाराणसी) को उड़ान की अनुमति दे दी गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना सोमवार1,52,340 रुपये से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना सोमवार 1,39,640 रुपये से लेकर 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में सोमवार 24 कैरेट सोना 1,52,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना सोमवार 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

होर्मुज में फिलहाल शांति की उम्मीद नहीं

- युद्ध टालने के प्रयासों को झटका

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/तेहरान

फोटोः हि.स.

इस साल फरवरी आखिर से अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी तकरार के और तेज होने की संभावना बढ़ गई है। युद्ध टालने और तनाव को कम करने के ताजा कूटनीतिक प्रयासों को झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर आक्रामकता फिर से शुरू होती है, तो दोनों देशों को निश्चित रूप से कल्पना से परे चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के ताजा प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। ईरान ने अपने जवाब में कहा कि वह टकराव रोकने को तैयार है। बशर्ते अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी तत्काल हटाए। प्रतिबंधों को खत्म करे। परमाणु कार्यक्रम और विदेश नीति पर दखल न दे। इनमें कुछ ऐसे मसले हैं जिनका हवाला वाशिंगटन ने इस युद्ध को शुरू करने के लिए दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ऐसा अमेरिका कभी नहीं करेगा। यह किसी से छुपा नहीं है कि ईरान दुनिया की 12वीं या 13वीं परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसके पास इजराइल के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की क्षमता भी है। अमेरिका हमास और हिजबुल्ला जैसे आतंकी समूहों के लिए ईरान के समर्थन को भी खत्म करना चाहता है। दोनों देशों के बीच ऐसे कुछ अहम मुद्दे हैं, जो शांति की राह में चट्टान बनकर खड़े हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल लिखा, मैंने अभी-अभी ईरान के तथाकथित प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया पढ़ी है। मुझे यह पसंद नहीं आई। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है! उन्होंने दूसरी पोस्ट में कहा, ईरान पिछले 47 साल से अमेरिका और बाकी दुनिया के साथ खेल खेल रहा है। ओबामा सरकार ने 2015 में एक समझौता किया था, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना था। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इस समझौते को मंजूरी नहीं दी। हाल ही में ईरान ने 42,000 बेकसूर और निहत्थे प्रदर्शनकारियों को खत्म कर दिया। वह हम पर हंस रहे हैं। वो अब और नहीं हंस पाएंगे।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फ्रांसीसी-ब्रिटिश कोशिश के खिलाफ भी चेतावनी दी है। ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा कि होर्मुज में अमेरिका की गैरकानूनी कार्रवाई का साथ देने पर सशस्त्र बल निर्णायक और तत्काल जवाब देंगे। इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह कोई सैन्य तैनाती नहीं होगी, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय मिशन होगा जिसका मकसद हालात ठीक होने पर जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित करना होगा। ब्रिटिश रॉयल नेवी ने कहा कि एचएमएस ड्रैगन को इस सप्ताह मध्य पूर्व में तैनात किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

फ्रांस लौटे यात्री में हंटावायरस के लक्षण, पांच लोगों को आइसोलेशन में रखा गया

पेरिस। फ्रांस सरकार ने पुष्टि की है कि स्पेन के टेनेरिफ से वापस लाए गए पांच फ्रांसीसी नागरिकों में से एक यात्री में उड़ान के दौरान हंटावायरस जैसे लक्षण पाए गए। इसके बाद सभी यात्रियों को एहतियातन सख्त आइसोलेशन में रखा गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि संक्रमित लक्षण दिखाने वाले यात्री की पहचान के बाद स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत लागू कर दिए गए। उन्होंने बताया कि सभी पांचों लोगों को अलग रखा गया है और उनकी लगातार मेडिकल निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री के अनुसार, यात्रियों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच और लैब टेस्ट कराए जाएंगे, ताकि संक्रमण की पुष्टि की जा सके और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है और संपर्क में आए लोगों की पहचान भी शुरू कर दी गई है। साथ ही फ्रांसीसी प्रशासन निकट संपर्क में आए लोगों के लिए भी विशेष आइसोलेशन उपाय लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस संबंध में जल्द एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा। फिलहाल फ्रांस के स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हंटावायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर संक्रमण माना जाता है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों या अन्य कृंतकों के संपर्क से फैलता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं शामिल हो सकती हैं।

तेलुगु अभिनेता भरत कांत का सड़क हादसे में निधन

हैदराबाद। तेलुगु अभिनेता भरत कांत का हैदराबाद में हुए सड़क हादसे में निधन हो गया। हादसे के वक्त उनके साथ सिनेमैटोग्राफर जी साई त्रिलोक भी थे। इस दुर्घटना में उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, यह हादसा हैदराबाद के आउटर रिंग रोड पर आदिबतला पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। एग्जिट 12 के पास अभिनेता की कार और एक ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें 31 वर्षीय भरत कांत और जी साई त्रिलोक की मौके पर ही मौत हो गई। भरत कांत मूल रूप से नेल्लोर के रहने वाले थे। वह अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और कंटेंट क्रिएटर भी थे। उन्होंने साल 2021 में निर्देशक चेन्ना नारायण की फिल्म ग्रामम से अभिनय की शुरूआत की । वह साल 2024 में टेनेंट में नजर आए थे।

सिलचर रेलवे स्टेशन पर हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (असम)। असम के सिलचर रेलवे स्टेशन इलाके में पुलिस ने अभियान चलाकर हेरोइन के साथ दो कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई गई है। कछार जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से आज जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 10:30 बजे विश्वसनीय सूचना मिली थी कि कुछ लोग सिलचर-रंगिया ट्रेन से एनडीपीएस प्रतिबंधित पदार्थ लेकर यात्रा करने वाले हैं। सूचना के आधार पर सिलचर रेलवे स्टेशन के द्वितीय गेट, अन्नपूर्णा पेट्रोल पंप के समीप विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने दो आरोपितों को हिरासत में लिया। जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बक्तार उद्दीन लस्कर (45) और रंजना बेगम लस्कर (40) के रूप में की गई है। दोनों कछार जिले के धोलाई थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। तलाशी के दौरान आरोपितों के कब्जे से पांच साबुनदानी में छिपाकर रखा गया 52 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद किया गया। इसके अलावा दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जब्त सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सिलचर थाना लाया गया।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग

- अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने सोमवार स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। सोमवार एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 4,24,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 5.79 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

- सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

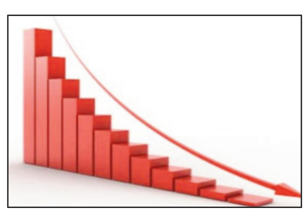

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर देने के कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के शीघ्र खत्म होने की संभावना काफी कम हो गई है। इसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी आ गई है, जिससे दुनिया भर के बाजार पर दबाव बन गया है। घरेलू शेयर बाजार में भी सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है।

सोमवार के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। लगातार हो रही बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.31 प्रतिशत और निफ्टी 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। 11 बजे तक का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, कोल इंडिया, मैक्स हेल्थकेयर और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 3.26 प्रतिशत से लेकर 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, इंटर ग्लोबल एविएशन, एसबीआई, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर 7.05 प्रतिशत से लेकर 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,839 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 708 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,131 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार 610.10 अंक की कमजोरी के साथ 76,638.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक मामूली रिकवरी के साथ 76,678.52 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 1,100 अंक से भी अधिक टूट कर 76,165.57 अंक के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11 बजे सेंसेक्स 1,016.37 अंक की गिरावट के साथ 76,311.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

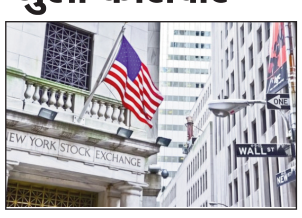

क्रूड ऑयल की कीमत में आई तेजी के कारण ग्लोबल मार्केट से सोमवार कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे, लेकिन डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में सोमवार मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 49,609.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। दूसरी ओर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े स्टॉक्स में आई तेजी के कारण एस एंड पी 500 इंडेक्स और नैस्डेक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,398.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 440.88 अंक यानी 1.71 प्रतिशत उछल कर 26,247.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार 106.84 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,502.32 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,233.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 186.85 अंक यानी 2.30 प्रतिशत टूट कर 8,112.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 324.98 अंक यानी 1.34 प्रतिशत लुढ़क कर 24,338.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इतिहास

जब चीन में प्रकृति ने मचाया था तांडव

सिचुआन भूकंप: 80 सेकंड में खंडहर बन गए थे शहर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/बीजिंग

इतिहास की हर तारीख अपने भीतर कई खट्टी-मीठी यादें समेटे होती है। 12 मई का दिन भी कुछ ऐसा ही है। यह तारीख दुनिया को आधुनिक इतिहास की सबसे दर्दनाक प्राकृतिक आपदाओं में से एक 'सिचुआन भूकंप' की याद दिलाती है, तो दूसरी तरफ यह मानवता की सेवा के लिए समर्पित फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म का उत्सव भी है। आइए विस्तार से जानते हैं कि 12 मई ने विश्व इतिहास पर अपनी क्या छाप छोड़ी है। 12 मई 2008 को चीन के सिचुआन प्रांत में दोपहर 2:28 बजे जो तबाही आई, उसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। रिक्टर पैमाने पर 7.9 की तीव्रता वाले इस भूकंप ने चीन के आधुनिक इतिहास में गहरा घाव दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह भूकंप पिछले 30 वर्षों में चीन का सबसे भीषण भूकंप था। इस त्रासदी में करीब 87,476 लोग मारे गए या लापता हो गए। सबसे दुखद पहलू यह था कि भूकंप के समय स्कूल खुले थे, जिससे हजारों बच्चों की जान चली गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, करीब 7,000 स्कूल पूरी तरह ध्वस्त हो गए थे। भूकंप का केंद्र वेंचुआन काउंटी था, लेकिन इसके झटके बीजिंग और शंघाई जैसे दूरदराज के शहरों के साथ-साथ थाईलैंड और वियतनाम तक महसूस किए गए थे। इस आपदा ने लगभग 50 लाख लोगों को बेघर कर दिया और चीन की अर्थव्यवस्था को अरबों डॉलर की चपत लगाई। आज भी सिचुआन में बने स्मारक उन खोई हुई जिंदगियों की याद में लोगों की आँखें नम कर देते हैं।

फोटोः हि.स.

जहाँ 12 मई एक दर्दनाक याद से जुड़ी है, वहीं यह दिन 'निस्वार्थ सेवा' के सम्मान का भी है। आज ही के दिन 1820 में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म हुआ था। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों की जिस तरह से सेवा की, उसने नर्सिंग को एक सम्मानजनक पेशे के रूप में स्थापित किया। उन्हें 'द लेडी विद द लैंप' कहा गया क्योंकि वह रात के सन्नाटे में भी हाथ में लालटेन लेकर मरीजों की देखभाल के लिए निकल पड़ती थीं। फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस को ही पूरी दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाती है। यह दिन उन लाखों स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा करते हैं। चिकित्सा इतिहास में नाइटिंगेल का योगदान केवल सेवा तक सीमित नहीं था, उन्होंने सांख्यिकी और स्वच्छता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण सुधार किए, जिससे अस्पतालों में मृत्यु दर में भारी गिरावट आई।

12 मई की तारीख केवल आपदा और सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साम्राज्य की नींव और आधुनिक राजनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी भी है। आज से करीब 567 साल पहले, 12 मई 1459 को राव जोधा ने राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में जोधपुर शहर की स्थापना की थी। इसी दिन उन्होंने प्रसिद्ध मेहरानगढ़ किले की नींव भी रखी, जो आज भी अपनी मजबूती और स्थापत्य कला के लिए दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। जोधपुर की स्थापना भारतीय इतिहास में राजपूत शौर्य के एक नए युग की शुरूआत थी। वहीं, आधुनिक दौर की बात करें तो 12 मई 1980 को भारतीय मूल के ब्रिटिश राजनेता ऋषि सुनक का जन्म हुआ था। सुनक ने इतिहास रचते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद तक का सफर तय किया, जो भारतीय प्रवासियों की वैश्विक सफलता का एक बड़ा उदाहरण है। इसके अलावा, भारतीय इतिहास की एक और महत्वपूर्ण घटना 12 मई 1666 को हुई थी, जब छत्रपति शिवाजी महाराज मुगल बादशाह औरंगजेब के बुलावे पर आगरा पहुंचे थे। यह मुलाकात भले ही कड़वाहट भरी रही और शिवाजी महाराज को नजरबंद किया गया, लेकिन यहीं से उनके 'आगरा किले से पलायन' की वह साहसी योजना शुरू हुई, जिसने मुगलों की सत्ता को चुनौती दी।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा खिताब

बार्सिलोना ने जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया

एजेंसी (हि.स.)

बार्सिलोना

बार्सिलोना ने रविवार रात खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। कैंप नोउ में खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा और जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया।

हांसी फ्लिक की टीम अब 91 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से 14 अंक आगे निकल चुकी है। सीजन में अब केवल तीन मुकाबले बचे हैं, ऐसे में रियल के लिए बार्सिलोना को पकड़ पाना असंभव हो गया है। वहीं विलारियल 69 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मुकाबले की शुरूआत से ही बार्सिलोना आक्रामक नजर आया। नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। एंटोनियो रुडिगर द्वारा फेरान टोरेस पर बॉक्स के बाहर फाउल करने के बाद मिले मौके को रैशफोर्ड ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदल दिया।

इसके नौ मिनट बाद बार्सिलोना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। फर्मिन लोपेज के क्रॉस पर दानी ओल्मो ने शानदार बैकहील पास दिया, जिस पर फेरान टोरेस ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक ने लगातार दूसरा ला लीगा खिताब जीता। पिछले सीजन में भी उन्होंने बार्सिलोना को ला लीगा और कोपा डेल रे का दोहरा खिताब दिलाया था। दोनों टीमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। बार्सिलोना की शुरूआती एकादश

फोटोः हि.स.

में लामिन यामाल, राफिन्हा और जूल्स कुंडे शामिल नहीं थे। वहीं रियल मैड्रिड के कई अहम खिलाड़ी चोट और अन्य कारणों से बाहर रहे। एदर मिलिताओ, दानी कावार्जाल, फेरलैंड मेंडी, आर्दा गुलर और रोड्रिगो टीम का हिस्सा नहीं थे। फेडेरिको वाल्वेर्डे भी सिर में चोट लगने के कारण नहीं खेल सके। बताया गया कि मिडवीक में ड्रेसिंग रूम में ऑरेलियन चुआमेनी के साथ झगड़े के बाद दोनों खिलाड़ियों पर पांच लाख यूरो का जुमार्ना लगाया गया। किलियन एम्बाप्पे भी पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में विनीसियस जूनियर और युवा स्ट्राइकर गोंजालो को आक्रमण की जिम्मेदारी सौंपी गई। पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन बार्सिलोना का हमला ज्यादा खतरनाक रहा। रियल के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने कई शानदार बचाव कर टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। दूसरे हाफ में भी बार्सिलोना का दबाव जारी रहा। रैशफोर्ड लगातार रियल के डिफेंस को परेशान करते रहे। वहीं फेरान टोरेस के एक और शानदार प्रयास को कोर्टुआ ने बेहतरीन बचाव कर रोक दिया। 62वें मिनट में जूड बेलिंगहैम का गोल ऑफसाइड करार दिया गया। इसके बाद विनीसियस जूनियर के एक अच्छे मौके को बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया ने विफल कर दिया। अंतिम मिनटों में रियल मैड्रिड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम के हमलों में धार की कमी साफ नजर आई। आखिरकार बार्सिलोना ने आसानी से जीत दर्ज कर खिताबी जश्न मनाया।

जयवर्धने ने कहा, 'बहुत सारे अगर-मगर हैं, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया'

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली दो विकेट की हार के बाद मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्लेऑफ का सपना पूरी तरह टूट गया। पांच बार की चैंपियन टीम अब इस सीजन ट्रॉफी नहीं जीत पाएगी और उसके सामने अब आखिरी स्थान से बचने की चुनौती है। मैच के बाद मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम पूरे सीजन में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने माना कि टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।

जयवर्धने ने कहा, 'यह सीजन निराशाजनक रहा। हमारे पास मौके थे, लेकिन हम अच्छे नहीं थे। गेंद और बल्ले दोनों से निरंतरता की कमी साफ दिखाई दी। हम प्लेऑफ की दौड़ में बने रह सकते थे, लेकिन दो-तीन जीत हमसे छूट गईं।' उन्होंने कहा कि अभी पूरे सीजन का विश्लेषण करना मुश्किल है क्योंकि हार की निराशा काफी ताजा है, लेकिन इतना तय है कि टीम अपने कौशल और योजनाओं को सही तरीके

फोटोः हि.स.

से लागू नहीं कर पाई। आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस की हार का सबसे बड़ा कारण आखिरी ओवर माना जा रहा है, जिसमें युवा ऑलराउंडर राज अंगद बावा को गेंद सौंपी गई। बावा अपने चार साल के आईपीएल करियर में पहली बार आखिरी ओवर फेंक रहे थे। उन्होंने ओवर की शुरूआत वाइड और नो-बॉल से की। हालांकि तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मैच में रोमांच जरूर पैदा किया, लेकिन फिर एक और वाइड डाल दी। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर बेंगलुरु को जीत दिला दी। इस फैसले पर जयवर्धने ने कहा, 'उस समय हमारे सभी प्रमुख गेंदबाज अपने ओवर पूरे कर चुके थे। हमारे पास अनुभवी विकल्प नहीं बचे थे। हमारे पास कुछ स्पिनर थे, लेकिन हमने राज अंगद बावा पर भरोसा जताया। अभ्यास में वह अच्छी यॉर्कर डालते हैं और दबाव में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।' उन्होंने माना कि दबाव में बावा से कुछ गलतियां हुईं, लेकिन टीम ने आखिर तक संघर्ष किया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए। जयवर्धने का मानना है कि टीम 170 से 180 रन तक पहुंच सकती थी, लेकिन बीच के ओवरों में जल्दी विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी।

उन्होंने कहा, 'नमन धीर और तिलक वर्मा अच्छी साझेदारी कर रहे थे। लेकिन 14-15वें ओवर में विकेट गिरने से हमें नुकसान हुआ। अगर हम वहां विकेट नहीं गंवाते तो 15-20 रन और जुड़ सकते थे।' जयवर्धने ने खुलासा किया कि पूरे सीजन टीम चोटों से जूझती रही। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण छह मैच नहीं खेल सके, जबकि हार्दिक पांड्या पीठ की समस्या से परेशान रहे। इसके अलावा मिशेल सैंटनर भी कंधे की चोट के कारण बाहर हो गए। उन्होंने कहा, 'लोगों को लग सकता है कि हम लगातार टीम बदल रहे थे, लेकिन ज्यादातर बदलाव मजबूरी में करने पड़े।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग 'एनजेड20' की शुरूआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग 'एनजेड20' की शुरूआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरूआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है। सोमवार को जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के लिए अभी और समय की जरूरत है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो। एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए

फोटोः हि.स.

अतिरिक्त समय जरूरी है।' उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे। एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डॉन मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है।

आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुमार्ना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए। मैच रेफरी अमित शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद एंडी फ्लावर को दोषी पाया। आरसीबी के मुख्य कोच ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और उन पर लगाए गए जुमार्ने को मान लिया। गौरतलब है कि रायपुर में खेले गए इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरी गेंद पर मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया था। मुकाबले का अंत बेहद तनावपूर्ण रहा, जिसके दौरान मैदान पर दबाव और भावनाएं साफ नजर आईं।

पैरा आर्मरेसलिंग की पैरालंपिक में एंट्री की राह साफ ब्रिस्बेन 2032 के लिए पूरा हुआ अंतरराष्ट्रीय मानक

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पाफी) और प्रो पंजा लीग ने सोमवार को बड़ी खुशी जताते हुए बताया कि पैरा आर्मरेसलिंग ने ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक खेलों में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति द्वारा तय वैश्विक भागीदारी मानक को पूरा कर लिया है। विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ की ओर से अतिरिक्त भागीदारी आंकड़े जमा किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने पुष्टि की कि अब पैरा आर्मरेसलिंग में 32 से अधिक देशों की नियमित और व्यापक भागीदारी हो चुकी है। यह उपलब्धि इस खेल को भविष्य में पैरालंपिक में शामिल किए जाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। इस खबर को भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि देश में पैरा आर्मरेसलिंग खिलाड़ियों की मजबूत और तेजी से उभरती प्रतिभा मौजूद है। पिछले कुछ

फोटोः हि.स.

वर्षों में पाफी और प्रो पंजा लीग ने पैरा खिलाड़ियों के लिए पेशेवर मंच तैयार करने की दिशा में लगातार काम किया है। प्रो पंजा लीग के दोनों सत्रों और देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित मेगा मुकाबलों में पैरा आर्मरेसलिंग वर्ग को विशेष स्थान दिया गया। इसके जरिए चंदन कुमार बेहरा, बुट्टा सिंह, श्रीनिवास बीवी, मोहन शर्मा और अरविंद रजक जैसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने कहा, 'यह केवल वैश्विक आर्मरेसलिंग ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक क्षण है। हमने प्रो पंजा लीग और देशभर में आयोजित मेगा मुकाबलों के जरिए पैरा वर्ग में शानदार प्रतिभाएं देखी हैं। शुरू से ही हमारा मानना रहा कि पैरा आर्मरेसलिंग को समान पहचान और अवसर मिलना चाहिए, इसलिए हमने इसे हर सत्र में शामिल किया। यदि यह खेल ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक का हिस्सा बनता है, तो भारत के पास कई पदक जीतने का मजबूत मौका होगा।'

पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष और एशियाई आर्मरेसलिंग महासंघ की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, 'भारत हमेशा से पैरा खेल प्रतिभाओं का केंद्र रहा है और आर्मरेसलिंग भी इससे अलग नहीं है। देशभर के पैरा खिलाड़ियों से हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति की यह मान्यता खेल के वैश्विक विकास को दर्शाती है और हमें भारत में पैरा खिलाड़ियों के लिए और अवसर तैयार करने की प्रेरणा देती है।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान और बांग्लादेश दौरे के लिए टीमों का किया ऐलान

एजेंसी (हि.स.)

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने मई-जून 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला और बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों की टीमों का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी मिशेल मार्श करेंगे। इस दौरे के लिए कई नए खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को सभी टीमों से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक और राइली मेरेडिथ की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।

वहीं युवा खिलाड़ियों ओलिवर पीक, लियाम स्कॉट और जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को केवल पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चुना गया है, जबकि स्कॉट को बांग्लादेश दौरे की एकदिवसीय टीम में भी जगह मिली है। डेविस को बांग्लादेश के खिलाफ टी20

फोटोः हि.स.

टीम में मौका मिला है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेल रहे ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट पाकिस्तान श्रृंखला के बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम से जुड़ेंगे। ये खिलाड़ी क्रमशः ओलिवर पीक, बिली स्टैनलेक, राइली मेरेडिथ और मैट शॉर्ट की जगह लेंगे। गौरतलब है कि एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ग्लेन मैक्सवेल को टी20 टीम में भी जगह नहीं मिली है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, 'नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिलते देखना हमेशा उत्साहजनक होता है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का यह मिश्रण उपमहाद्वीप के इन दौरों में टीम को संतुलन देगा।'

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस : सेवा, समर्पण और करुणा का उत्सव

किसी बीमारी से उबरने में जितना बड़ा योगदान दवाओं और इलाज का होता है, उतना ही सही देखभाल का भी होता है। इसमें डॉक्टर्स से कहीं बड़ी जिम्मेदारी नर्सेज निभाती हैं, जो 24 घंटे मरीज की देखरेख में लगी रहती हैं। इन्हें सम्मान देने के मकसद से दुनियाभर में हर साल 12 मई को 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया जाता है।

इतिहास

12 मई की तारीख कैलेंडर की एक साधारण तारीख नहीं है। यह उस महिला का जन्मदिन है जिसने अस्पतालों को 'मौत का घर' से 'उम्मीद का घर' बना दिया। यह दिन है फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्मदिन, और उन्हीं के सम्मान में पूरी दुनिया 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से मशहूर फ्लोरेंस नाइटिंगेल 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में पैदा हुई थीं। एक अमीर ब्रिटिश परिवार में जन्म लेकर भी उन्होंने आराम की जिंदगी छोड़कर घायल सैनिकों की सेवा का रास्ता चुना। 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान जब वो स्कूटरी अस्पताल पहुंचीं तो वहां हालात बद से बदतर थे। गंदगी, बदबू, चूहे, और हर बिस्तर पर 4-4 मरीज। मृत्यु दर 42% थी। फ्लोरेंस ने रात-रात भर लालटेन लेकर मरीजों की मरहम-पट्टी की, सफाई करवाई, पौष्टिक खाना दिया। 6 महीने में मृत्यु दर 2% रह गई। उन्हीं की याद में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज ICN ने 1965 में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाना शुरू किया। 1974 से 12 मई को आधिकारिक तौर पर यह दिन मनाया जाता है। मकसद सिर्फ एक- दुनिया की 2.8 करोड़ नर्सों के काम को पहचान देना, जिन्हें हम अक्सर 'सिस्टर' कहकर बुलाते हैं पर उनकी सिस्टरहुड की ताकत को नहीं समझते।

2026 की थीम

हर साल ICN एक नई थीम देता है। 2026 की थीम है:'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, देखभाल की आर्थिक शक्ति' "Our Nurses. Our Future. The Economic Power of Care"। इस थीम का मतलब क्या है? WHO की रिपोर्ट कहती है कि नर्सिंग में 1 डॉलर निवेश करने से अर्थव्यवस्था को 16 डॉलर का फायदा होता है। कैसे बीमारी रोकती हैंः ANM दीदी गांव में टीका लगाती है तो पोलियो, खसरा रुकता है। सरकार का इलाज का खर्च बचता है। जल्दी छुट्टीः अच्छी नर्सिंग केयर से मरीज 2 दिन पहले ठीक होकर घर जाता है। हॉस्पिटल बेड खाली होता है, दूसरा मरीज बचता है। काम पर वापसीः मरीज जल्दी ठीक होकर काम पर लौटता है। GDP बढ़ती है। मतलब नर्स सिर्फ दया की मूर्ति नहीं, इकोनॉमी का इंजन है। कोविड में दुनिया ने देखा -जब डॉक्टर भी डर रहे थे, नर्सें PPE किट में 12-12 घंटे ड्यूटी कर रही थीं। भारत में 87,000 नर्सें कोविड पॉजिटिव हुईं, 1500+ ने जान गंवाई। पर अस्पताल बंद नहीं हुए।

नर्सिंग की नींव

फ्लोरेंस ने सिर्फ सेवा नहीं की, नर्सिंग को 'साइंस' बनाया। उन्होंने 'नोट्स ऑन नर्सिंग' किताब लिखी, स्टैटिस्टिक्स से दिखाया कि साफ-सफाई से मौतें कैसे रुकती हैं। 1860 में लंदन में दुनिया का पहला नर्सिंग स्कूल खोला। उनका दिया 'नाइटिंगेल प्लेज' आज भी हर नर्स शपथ के रूप में लेती है: 'मैं अपने मरीज की भलाई को सर्वोपरि रखूंगी...'।

एक नर्स के 24 घंटे

सुबह 7 बजेः नाइट शिफ्ट वाली सिस्टर से चार्ज लेना। 40 मरीज, हर एक की फाइल, दवा, ड्रिप, इढ चार्ट चेक करना। 8 बजेः डॉक्टर राउंड। हर मरीज की कंडीशन बताना। डॉक्टर 2 मिनट रुकता है, नर्स 8 घंटे साथ रहती है। 10 बजेः इंजेक्शन, ड्रेसिंग, सैंपल कलेक्शन। एक साथ 3-4 काम। 2 बजेः लंच टाइम? मरीज को उल्टी हो गई, लंच छोड़कर भागो। 6 बजेः इवनिंग शिफ्ट को चार्ज दो। पर इमरजेंसी आ गई तो 2 घंटे एक्स्ट्रा रुकना। रात 10 बजेः घर जाकर पैर सूजे हुए। बच्चे पूछते हैं- 'मम्मी, तुम डॉक्टर क्यों नहीं बनी?' जवाब होता है - 'डॉक्टर बनती तो सिर्फ देखती, नर्स बनकर छूकर ठीक करती हूं'।

नर्स के काम का दायरा

क्लिनिकलः दवा देना, इंजेक्शन, IV, कैथेटर, वेंटिलेटर मैनेज करना। इमोशनलः कैंसर पेशेंट को कीमो के वक्त हाथ पकड़कर हिम्मत देना। **एजुकेशनः** डायबिटीज पेशेंट को इंसुलिन लगाना सिखाना। **एडमिनः** दवा का स्टॉक, फाइल मेंटेन, MLR रिपोर्ट। **पब्लिक हेल्थः** गांव में ANM घर-घर जाकर गर्भवती की जांच, टीकाकरण।

भारत में नर्सिंग की कहानी

भारत में नर्सिंग का इतिहास 2500 साल पुराना है। चरक संहिता में 'परिचारिका' का जिक्र है। पर मॉडर्न नर्सिंग अंग्रेजों के साथ आई। 1664 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने पहली बार दाईयों को ट्रेनिंग दी। रुक्मिणी देवीः 1908 में भारत की पहली प्रशिक्षित नर्स बनीं। सरोजिनी नायडूः सिर्फ कवयित्री नहीं, 1914 में हेल्थ विजिटर का कोर्स किया। सेना नर्सिंग सेवाः 1888 में शुरू, आज 1 लाख+ मिलिट्री नर्स हैं। कारगिल युद्ध में कैप्टन लक्ष्मी सहगल की टीम ने बर्फ में बंकरों में घायलों को बचाया।3.3 मदर टेरेसा - करुणा की मिसाल भले ही वो रजिस्टर्ड नर्स नहीं थीं, पर 'निर्मल हृदय' में कुष्ठ रोगियों की जो सेवा मदर टेरेसा ने की, वो नर्सिंग का ही विस्तार है। 1979 में नोबेल लेते वक्त उन्होंने कहा था - 'पैसा नहीं, हाथ चाहिए सेवा के लिए'।

भारत में नर्सिंग

आंकड़े जो चौंकाते हैं **कुल नर्सः** 34.1 लाख रजिस्टर्ड-दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी फौज। अनुपातः 1000 लोगों पर 1.7 नर्स। WHO कहता है 3 चाहिए। मतलब 20 लाख नर्स की कमी। सैलरीः सरकारी में 35,000-80,000 रुपये। प्राइवेट में कई जगह 10,000 रुपये से शुरू। केरल में सबसे ज्यादा, बिहार-UP में सबसे कमजेंडरः 90% महिला, पर अब पुरुष नर्स भी बढ़ रहे हैं - 'ब्रदर' कहलाते हैं। **पलायनः** हर साल 60,000 नर्स विदेश जाती हैं- UK, UAE, कनाडा वहां 2-3 लाख रुपये महीना मिलता है।

नर्सिंग के प्रकार भारत में

ANM: 2 साल कोर्स, गांव की रीढ़। डिलीवरी, टीका, परिवार नियोजन GNM: 3 साल डिप्लोमा, जनरल नर्स B.Sc नर्सिंगः 4 साल डिग्री, स्टाफ नर्स से नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट तक M.Sc नर्सिंगः स्पेशलिटी - ICU, कार्डियक, साइकेट्रिक Nurse Practitioner: नया कॉन्सेप्ट, डॉक्टर की तरह प्रिस्क्रिप्शन लिख सकती हैं।

कोविड-19 - जब नर्सें भगवान बन गईं

मार्च 2020 पूरे देश में लॉकडाउन, डॉक्टर भी डरे हुए पर नर्सें? **केरल की रेश्माः** 8 महीने की प्रेग्नेंट थी, फिर भी कोविड वार्ड में ड्यूटी। बोली- 'मेरा बच्चा पेट में सेफ है, पर बाहर वाले बच्चों को कौन देखेगा?' दिल्ली के LNJP की पुष्पाः PPE किट में 8 घंटे बिना पानी पिए। किट उतारने पर चेहरा पर निशान, डिहाइड्रेशन। पर अगले दिन फिर ड्यूटी। **मुंबई की नर्स भक्तिः** मरीज के घरवाले मिलने नहीं आ सकते थे। तो वीडियो कॉल करवाया, मरीज की पसंद का खाना घर से बनाकर लाई। ICN का डेटाः दुनिया में 1.15 लाख हेल्थ वर्कर मरे, उनमें 60% नर्सें थीं। भारत में 1500+ नर्स शहीद। उन्हें कोई परमवीर चक्र नहीं मिला, पर हर बचा हुआ मरीज उनका मेडल है।

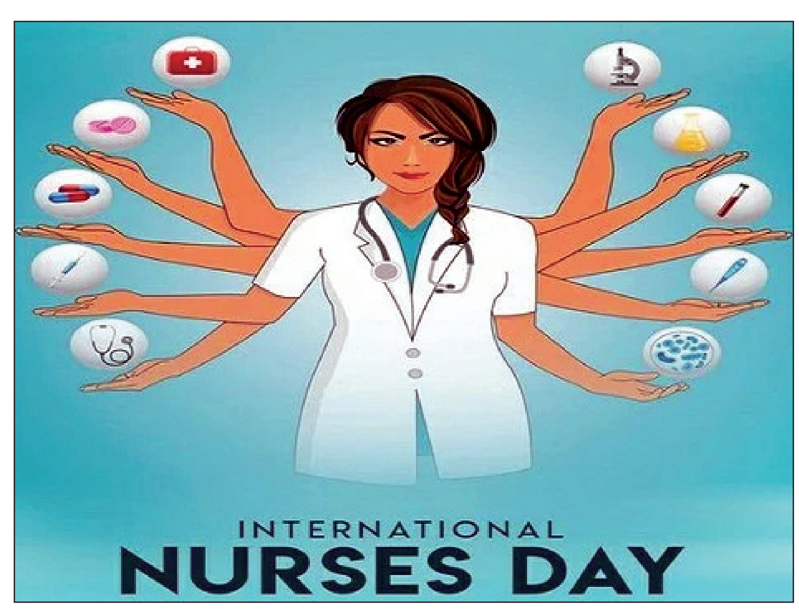

चुनौतियां

सफेद कोट के पीछे का दर्द काम का बोझः WHO कहता है 1 नर्स पर 4 मरीज होने चाहिए। भारत में 1 पर 20-30 मरीज। **नतीजा**- बर्नआउट, डिप्रेशन हिंसा। NMC की रिपोर्ट - 75% डॉक्टर-नर्स ने कभी न कभी गाली/मार खाई है। मरीज मरा तो अटेंडेंट नर्स को पीट देते हैं। **सैलरी गैपः** AIIMS दिल्ली में स्टाफ नर्स 70,000 रुपये पाती है, छोटे प्राइवेट हॉस्पिटल में 12,000 रुपये एक ही काम, 6 गुना फर्क। **सामाजिक सोचः** 'नर्स मतलब डॉक्टर की असिस्टेंट' ये सोच गलत। नर्सिंग इंडिपेंडेंट प्रोफेशन है। कई देश में नर्स प्रैक्टिशनर डॉक्टर की तरह इलाज करती हैं। **स्किल अपग्रेडः** वेंटिलेटर, ECMO, रोबोटिक सर्जरी - नई टेक आ रही है। पर ट्रेनिंग बजट कम।

सरकार की पहल

उम्मीद की किरण नेशनल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी कमीशन 2023: नया कानून, क्वालिटी सुधारने के लिएब्रिज कोर्सः आयुर्वेद, होम्योपैथी डॉक्टर को मॉडर्न मेडिसिन की ट्रेनिंग ताकि ग्रामीण इलाके में मदद मिले।

Nurse Practitioner कोर्सः टरू के बाद 2 साल, डॉक्टर की कमी पूरी करने के लिए। **सैलरी रिवीजनः** 7वें वेतन आयोग में नर्सिंग अलाउंस 7200 रुपये महीना किया। फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवार्डः हर साल राष्ट्रपति 35 नर्सों को देते हैं - 50,000 रूपये कैश + सर्टिफिकेट।

दुनिया से सीखें

बेस्ट प्रैक्टिस UK: 'नर्सिंग एसोसिएट' पोस्ट - 2 साल कोर्स, डॉक्टर-नर्स के बीच का ब्रिजवरA: 'नर्स प्रैक्टिशनर' - 20 राज्यों में इंडिपेंडेंट क्लिनिक चला सकती हैं। **जापानः** 'रोबोट नर्स'- बेड बनाने, दवा पहुंचाने का काम रोबोट करता है, नर्स सिर्फ केयर करती है। **क्यूबाः** हर 120 परिवार पर 1 फैमिली नर्स, घर-घर जाकर चेकअप, नतीजा - दुनिया की बेस्ट हेल्थ सिस्टम। भारत क्या कर सकता है? गांव के हर PHC में 3 नर्स पोस्टिंग, नर्सिंग कॉलेज में सिमुलेशन लैब, हिंसा पर जीरो टॉलरेंस कानून।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, चंडीगढ़ ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

यू.टी. चंडीगढ़ में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़, सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस ने की। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी , सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी , नोडल अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के प्रारंभ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूचियों को सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्देशों के अनुरूप सख्ती से किया जाए।

बैठक में अवगत कराया गया कि पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण के साथ लगभग 70 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूर्व-पुनरीक्षण चरण के दौरान पहले ही की जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी को निर्देशित किया कि मैपिंग प्रतिशत में और सुधार लाने तथा अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। अएफ्ङर को बूथ स्तर अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रभावी निगरानी, समस्याओं के समयबद्ध समाधान तथा पुनरीक्षण प्रक्रिया के पारदर्शी, समन्वित एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया जा सके।

यू.टी. चंडीगढ़ के निवासियों से अपील करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित अपने विवरणों का सत्यापन करें तथा मैपिंग उद्देश्य हेतु अपने संबंधित बूथ स्तर अधिकारी के साथ साझा करें। पूर्व रक्क्ष से संबंधित विवरण मतदाता सेवा पोर्टल एवं उएड चंडीगढ़ की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। किसी भी सहायता हेतु नागरिक कार्य दिवसों में मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक : शक्ति रानी शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र जहां संविधान की धाराओं से संचालित होता है, वहीं वह अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों, प्रतीकों और आत्मगौरव से जीवित रहता है।जिस समाज को अपने इतिहास पर गर्व नहीं होता, वह भविष्य का नेतृत्व नहीं कर सकता।विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा आज महादेव मंदिर सकेतड़ी में आयोजित जिलास्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक स्मृति समारोह नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का उत्सव है।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।इससे पूर्व उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत पर्व-2026 के दौरान दिए गए संबोधन का सीधा प्रसारण देखा। महादेव मंदिर सकेतड़ी पहुंचने पर अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा का स्वागत किया।इसके उपरांत विधायक ने शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने कलश यात्रा को रवाना किया। सैकड़ों महिलाओं ने बैंड-बाजे की धुनों पर नृत्य करते हुए सिर पर जल कलश लेकर मंदिर परिसर की परिक्रमा की। महिलाओं ने भगवान शिव पर जल अर्पित कर यात्रा का समापन किया।इसके बाद विधायक ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि इसे शिक्षण संस्थानों में भी आयोजित किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों को भारत की प्राचीन समृद्ध संस्कृति से अवगत कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि जितना महान यह मंदिर था, उतनी ही बार इसे भारत की आत्मा को तोड़ने के लिए निशाना बनाया गया। विदेशी आक्रांताओं ने केवल मंदिर को नहीं तोड़ा, बल्कि भारत के आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाने का प्रयास किया। आज का सोमनाथ स्वाभिमान पर्व उसी ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है, जब स्वतंत्र भारत ने अपने सांस्कृतिक गौरव को पुनः स्थापित किया और यह सिद्ध किया कि राष्ट्र केवल राजनीतिक सीमाओं से नहीं, बल्कि अपनी सभ्यता, परंपरा और आध्यात्मिक आत्मविश्वास से निर्मित होता है।

- महादेव मंदिर सकेतड़ी में जिलास्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आयोजित
- दिव्य कलश यात्रा के साथ हुआ सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ
- सैकड़ों महिलाओं ने जल कलश लेकर की मंदिर परिक्रमा

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम का पुनरुद्धार, केदारनाथ मंदिर का पुनर्विकास और राम मंदिर का निर्माण केवल विकास कार्य नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता के पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। कार्यक्रम के अंत में कलश यात्रा में भाग लेने वाली महिलाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम पंचकूला श्री चंद्रकांत कटारिया, महादेव मंदिर सकेतड़ी के प्रधान श्री केडी शर्मा तथा प्रबंधक श्री पीएस गुलेरिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हृदय सम्राट बाबा हरदेव सिंह को अर्पित समर्पण दिवस कल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़ /पंचकूला /मोहाली

जब किसी महान आत्मा का जीवन मानवता के कल्याण हेतु पूर्णतः समर्पित हो जाता है, तब उसकी स्मृतियाँ केवल इतिहास का अध्याय नहीं रहतीं, बल्कि युगों-युगों तक जनमानस के लिए प्रेरणा का दिव्य स्रोत बन जाती हैं। ऐसे ही मानवता, प्रेम, विनम्रता और आध्यात्मिक जागृति के अद्वितीय प्रतीक युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी की पावन स्मृति को समर्पित समर्पण दिवस का भावपूर्ण आयोजन। सत्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की स्मृति में समर्पण दिवस दिनांक 13 मई, दिन बुधवार को सांय 6:30 से रात्रि 9:00 बजे तक जोन नं. 2 चंडीगढ़ के संत निरंकारी सत्संग भवन सैक्टर 30ए चण्डीगढ़, मनी माजरा, पंचकुला, मोहाली, कालका, खरड़, डेराबसी, रायपुर रानी एवं जिरकपुर सहित 22 ब्रांचों में आयोजित किया जा रहा है।जिसमें समस्त निरंकारी परिवार एवं श्रद्धालुगण सम्मिलित होकर बाबा हरदेव सिंह जी के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इसी दिन समर्पण दिवस का भावपूर्ण मुख्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं श्रद्धेय निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में बुधवार, 13 मई 2026 को संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) में सायं 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उसके उपरांत श्रद्धालु सतगुरु माता जी के आशीर्वचनों को श्रवण करेंगे। इस विशाल संत समागम में देश-विदेश से आए श्रद्धालु, भक्तगण एवं मानवता प्रेमी श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के पुष्प अर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण निरंकारी मिशन की अधिकृत वेबसाईट पर प्रसारित किया जाएगा जिसका लाभ विश्वभर के श्रद्धालु एवं भक्तगण प्राप्त कर सकेंगे। बाबा हरदेव सिंह जी केवल संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक गुरु ही नहीं थे, बल्कि वे प्रेम, करुणा, सहजता और मानवीय संवेदनाओं के सजीव आत्मिक मित्र थे। उनकी मधुर मुस्कान, विनम्र व्यक्तित्व और दिव्य वाणी ने अनगिनत हृदयों को आत्मिक शांति का अनुभव कराया। उन्होंने मानव जीवन को आत्मज्ञान से आलोकित कर यह संदेश दिया कि सच्चा जीवन वही है, जो प्रेम, सेवा, सहअस्तित्व और समर्पण से परिपूर्ण हो। उनके दिव्य नेतृत्व में संत निरंकारी मिशन ने समाज सेवा को आध्यात्मिकता का अभिन्न अंग बनाते हुए रक्तदान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं की ऊर्जा को आध्यात्मिक दिशा देने जैसे अनेक लोक कल्याणकारी कार्यों द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त धारा प्रवाहित की। बाबा जी का दृष्टिकोण स्पष्ट था कि ईश्वर की सच्ची भक्ति मानव सेवा के माध्यम से ही सार्थक होती है। लगभग 36 वर्षों तक मिशन का नेतृत्व करते हुए बाबा हरदेव सिंह जी ने इसे वैश्विक स्तर पर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। आज संत निरंकारी मिशन 67 से अधिक देशों में आध्यात्मिक जागृति, नैतिक मूल्यों और मानव कल्याण की ज्योति प्रज्वलित कर रहा है। समर्पण दिवस केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि दिव्य जीवन-दर्शन को आत्मसात करने का पावन पर्व है, जो मानवता को प्रेम, सेवा, विनम्रता और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रशासन के संस्कृति विभाग द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव कार्यक्रमों के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया।यह आयोजन पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।टैगोर थिएटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने पवित्र सोमनाथ मंदिर से होने वाले लाइव प्रसारण को देखा।लाइव प्रसारण के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए इस अवसर को भारत की सभ्यतागत यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।उन्होंने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव देशभर में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। इस अवसर पर श्री मंदीप सिंह बराड़, आईएएस, सचिव, संस्कृति सहित चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। चंडीगढ़ में आयोजित समारोहों के अंतर्गत प्राचीन श्री खेड़ा शिव मंदिर से श्री सनातन धर्म मंदिर तक कलश यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर शहर के विरासत भवनों एवं मंदिरों को विशेष रूप से रोशनी से सजाया गया। कार्यक्रम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए आस्था, श्रद्धा और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रोत्साहित किया।

संक्षिप्त-समाचार

पंचकूला में श्री जैनेंद्र गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किशोरों के लिए सोशल मीडिया सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू

पंचकूला। पीजीआई चंडीगढ़ की एक रिसर्च टीम ने पंचकूला के श्री जैनेंद्र गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किशोरों के बीच सुरक्षित और ज़िम्मेदार सोशल मीडिया इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक व्यवहारिक हस्तक्षेप के जरिए एक खास सोशल मार्केटिंग जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल में डिजिटल युग से जुड़ी मुख्य चुनौतियों पर रोशनी डाली गई, जिनमें सोशल मीडिया के ज्यादा इस्तेमाल से पारिवारिक रिश्तों पर पड़ने वाले बुरे असर, शराब से जुड़े कंटेंट के संपर्क में आना, और किशोरों की यौन सेहत और भलाई पर इसका प्रभाव शामिल है। यह सेशन इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा फंडेड औरपीजीआई चंडीगढ़ के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और पब्लिक हेल्थ स्कूल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तन्वी किरण के नेतृत्व में चलाए जा रहे एक मल्टी-सिटी क्लस्टर रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल के एक अहम हिस्से के तौर पर आयोजित किया गया था। यह एक घंटे का इंटरैक्टिव सेशन प्रोजेक्ट टीम द्वारा लिया गया, जिसमें सुश्री दिव्या शर्मा, डॉ. अशराजदीप सिंह, श्री लक्ष्य जगलान और सुश्री तमन्ना शामिल थे। इस एक घंटे के सेशन में कुल 85 छात्रों ने हिस्सा लिया। पारंपरिक लेक्चर-आधारित तरीकों से आगे बढ़ते हुए, इस हस्तक्षेप ने दो क्लास के छात्रों को गतिशील प्रस्तुतियों और देखने में आकर्षक पोस्टर-आधारित चर्चाओं के जरिए सक्रिय रूप से शामिल किया। पहला विषय बच्चों और परिवारों के रिश्तों पर बढ़ते डिजिटल तनाव पर केंद्रित था, जिसमें यह बताया गया कि स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से परिवारों के भीतर सीधे बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव पर कैसे बुरा असर पड़ सकता है। सत्र का समापन एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ। इस सत्र को स्कूल प्रशासन का सहयोग प्राप्त था, जिसका नेतृत्व प्रधानाचार्य सुश्री मोहिता जैन और सामाजिक विज्ञान के शिक्षक श्री मेजर सिंह ने किया। जैसे-जैसे किशोरों के बीच डिजिटल संपर्क बढ़ता जा रहा है, यह पहल सुरक्षित सोशल मीडिया उपयोग को बढ़ावा देने और किशोरों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए एक विस्तार योग्य मॉडल प्रस्तुत करती है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में चंडीगढ़ में निकली भव्य कलश शोभायात्रा

चंडीगढ़। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सोमवार को प्राचीन खेड़ा मंदिर, सेक्टर-28 से विशाल एवं भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसका समापन सेक्टर 27 स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में हुआ। बाद में यहां शिव भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं मातृशक्ति ने भाग लेकर भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस अवसर पर गौरी शंकर सेवादल गौशाला, सेक्टर-45 डी की ओर से शोभायात्रा की व्यवस्थाओं में अहम योगदान दिया गया। सेवादल की विभिन्न टीमों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु पूरी निष्ठा के साथ सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में सुमित शर्मा, विनोद कुमार, राहुल महाजन, अशोक कुमार, लखीराम सहित अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

डेयरी उद्योग से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ चंडीगढ़ के युवा सड़कों पर उतरे

चंडीगढ़। बढ़ती गर्मी, जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच चंडीगढ़ के युवा डेयरी उद्योग से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। शहर के सुखना झील पर युवा कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक प्रदर्शन कर डेयरी उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव और गोमांस उद्योग से उसके संबंध को उजागर किया। ये अभियान पशु कल्याण संगठन पीडूज पीपल की अगुआई में चलाया गया, जो कुत्तों की नसबंदी, घोड़ों के कल्याण, डेयरी उद्योग में क्रूरता की रोकथाम तथा वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करता है। पशु अधिकार कार्यकर्ता एवं पीडूज पीपल के संचालक साहिल वर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान देशभर के 20 शहरों में चलाया जा रहा है, जहां युवा लोगों को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि दूध और गोमांस दोनों एक ही पशु प्रणाली से जुड़े हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने लोगों से डेयरी उद्योग में जानवरों की स्थिति और बाद में उनके गोमांस आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने पर विचार करने की अपील की।

एमवाई भारत द्वारा जीएमएसएसएस सेक्टर-32, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एमवाई भारत चंडीगढ़ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 का आयोजन गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जीएमएसएसएस), सेक्टर-32, चंडीगढ़ में किया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यह कार्यक्रम एमवाई भारत से संबद्ध संस्थाओं – करुणा इको कम्पेनियन फाउंडेशन एवं ग्लोबल यूथ फेडरेशन – के सहयोग से विकसित भारत के लिए युवा नवाचार विषय पर आयोजित किया गया। जीएमएसएसएस सेक्टर-32 की प्राचार्या श्रीमती संगीता छाबड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों एवं नवाचार आधारित शिक्षा को अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान संसाधन व्यक्तियों श्रीमती शिखा, श्री रोहित एवं श्री नवीन द्वारा विद्यार्थियों के लिए रोचक एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए।इन सत्रों में आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के व्यावहारिक उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों ने डिजिटल नवाचार, साइबर जागरूकता एवं जिम्मेदार तकनीकी उपयोग से संबंधित चचाओं एवं गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने युवाओं में तकनीकी जागरूकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश का युवा आधुनिक तकनीकों एवं डिजिटल कौशल से सुसज्जित होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा एवं दैनिक जीवन में तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए केवल कठिन परिश्रम ही नहीं, बल्कि स्मार्ट वर्क पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नवाचार, डिजिटल जिम्मेदारी एवं तकनीक के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, आयोजकों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल एवं सार्थक बनाया।

उपायुक्त ने शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं, अधिकारियों को प्राथमिकता व बिना विलंब किए समाधान करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलंब के समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने समाधान शिविर में 4 जिलावासियों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब के समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर जिला प्रशासन की सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होने बताया कि हम सभी का नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें।

- उपायुक्त की लोगों से अपील समाधान शिविर में आकर करवाएं समस्याओं का समाधान

श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि लघु सचिवालय के सभागार में हर कार्यदिवस के दिन सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है जंहा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करते हैं।उपायुक्त ने लोगों से समाधान शिविर में आकर, समस्याएं रखकर जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील की। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, जिला बागवानी विभाग, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, शिक्षा, वन विभाग, आयुष, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत 30 मई और 18 जुलाई को विशेष लोक अदालतें की जाएंगी आयोजित

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों और अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने के लिए हलसा कार्य योजना-2026 के तहत विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों और अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने के लिए हलसा कार्य योजना-2026 के अनुसार, आज स्वामी देवी दयाल लॉ कॉलेज में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में और हलसा के सदस्य सचिव के निर्देशों के अनुसार एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायालयों के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के सचिव श्री अजय कुमार घनघस ने भाग लिया।

छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री घनघस ने अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया और आधुनिक विधिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को बताया कि प्रौद्योगिकी ने अदालतों, विधिक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के कामकाज को बदल दिया है, जिससे न्याय वितरण तेज, पारदर्शी और आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ हो गया है। कार्यक्रम के दौरान, श्री घनघस ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें विधिक शिक्षा तथा सामाजिक जागरूकता गतिविधियों में प्रौद्योगिकी का सकारात्मक और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर के दौरान एक प्रश्न-उत्तर सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

श्री घनघस और डीएलएसए पंचकूला के सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के संबंध में विभिन्न प्रश्न पूछे और छात्रों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिए। इस बातचीत ने कार्यक्रम को प्रतिभागियों के लिए जानकारीपूर्ण होने के साथ-साथ रोचक भी बना दिया। रिसोर्स पर्सन श्री रजत हांडा, पैनल अधिवक्ता, डीएलएसए ने भी सभा को संबोधित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने आज के समाज में डिजिटल साक्षरता और तकनीकी प्रगति के महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों को विधिक जागरूकता और न्याय वितरण के लिए ऑनलाइन विधिक सेवाओं, ई-अदालतों और डिजिटल मंचों के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी।

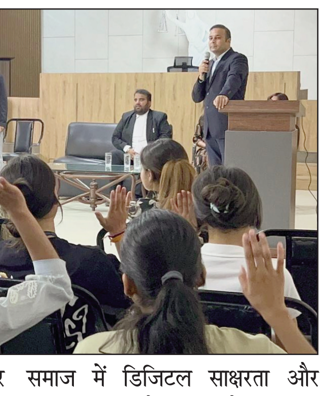

शिविर के दौरान, स्वामी देवी दयाल लॉ कॉलेज, बरवाला के विधि विभाग के प्रमुख और विधि विभाग के छात्रों द्वारा श्री अजय कुमार घनघस का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। संकाय सदस्यों और छात्रों ने विधि छात्रों के लिए इस तरह के उपयोगी विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने हेतु डीएलएसए के प्रयासों की सराहना की। छात्रों को संबोधित करते हुए श्री घनघस ने उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित किए जा रहे विशेष लोक अदालतों और समाधान समारोह पहल के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से मामलों के निपटारे के लिए अधिकतम मामले हाथ में लिए जाएँगे, जिसका उद्देश्य सौहार्दपूर्ण निपटारे को बढ़ावा देना और मामलों के लंबित रहने की संख्या को कम करना है।

उन्होंने बताया कि नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत चेक बाउंस से जुड़े मामलों के लिए विशेष लोक अदालतें 30 मई और 18 जुलाई को जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला में आयोजित की जाएँगी। उन्होंने कानून के छात्रों को सलाह दी कि वे समाधान समारोह और विशेष लोक अदालतों के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता फैलाएँ, ताकि मुकदमेबाज लोग मध्यस्थता और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों के माध्यम से निपटारे का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के समापन पर, श्री घनघस ने शिविर में उपस्थित छात्रों की सराहना की और उन्हें समाज तथा कानूनी समुदाय के कल्याण के लिए कानूनी साक्षरता और जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।